आर.एन.आई. नं. 37109/81 कोड संख्या DELHIN/11312 पृष्ट 12 मूल्य: 2 ₹

डी. एल. (ई) 01/5155/2021-23
यू. (ई).11/2021-23 Posted at DRMS Delhi-6

www.rashtratimes.com • rashtratimes • email: rashtratimesnewspaper@gmail. com

भाजपा-टीएमसी में महायुद्ध

दिल्ली से प्रकाशित स्वतंत्र विचारों का सबसे बड़ा साप्ताहिक

राष्ट्र टाइम्स

संपादक: विजय शंकर चतुर्वेदी

वर्ष: 44 ● अंक: 35 ● नई दिल्ली ● 01 से 07 सितम्बर 2024

विधायकों को 100 करोड़ की पेशकश

कर्नाटक में जारी सियासी वार-पलटवार के बीच मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने बड़ा दावा किया है। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) राज्य सरकार को गिराने के लिए कांग्रेस विधायकों को 100 करोड़ रुपये की पेशकश कर रही है। उन्होंने कहा कि विधायक रविकुमार गौड़ा ने मुझे बताया कि भाजपा हमारे विधायकों को 100 करोड़ रुपये की पेशकश कर रही है। 'ऑपरेशन लोटस' के जरिए ही बीजेपी कर्नाटक में सत्ता में आई थी। वे कभी भी जनता के आशीर्वाद से सत्ता में नहीं आये। 2008 और 2019 में वे 'ऑपरेशन लोटस' और बैकडोर एंट्री के जरिए सत्ता में आए।

सिद्धारमैया ने कहा कि बीजेपी-जेडी(एस) ऑपरेशन लोटस के जरिए राज्य सरकार को अस्थिर करने की कोशिश कर रही है। राज्य में बीजेपी कभी भी लोगों के आशीर्वाद से सत्ता में नहीं आई है। उन्होंने कहा कि 136 विधायकों की कांग्रेस सरकार को अस्थिर करना आसान बात नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि कल राज्य सरकार के मंत्री, विधायक और एमएलसी राज्यपाल से मिलेंगे और उनसे पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी, शशिकला

शेष पृष्ठ 2 पर

|| सनत जैन ||

पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी ने जिस तरह से युद्ध के लिए चक्रव्यूह ममता बनर्जी के लिये रचा था। उस चक्रव्यूह में अब भाजपा खुद भी फंसती हुई नजर आ रही है। पश्चिम बंगाल में भाजपा और टीएमसी का यह महायुद्ध अब अपने निर्णायक दौर पर पहुंच रहा है। भारतीय जनता पार्टी के लिए पश्चिम बंगाल अबूझ पहेली बन गया है। 2019 के लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को पश्चिम बंगाल की 42 लोकसभा सीटों में से 18 सीटों पर विजय प्राप्त हुई थी। इसके बाद भाजपा ने यह मान लिया था, पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के गढ़ को समाप्त किया जा सकता है। पश्चिम बंगाल में भगवा झंडा फहराने के लिए भाजपा ने 2019 के बाद से लगातार ममता बनर्जी के खिलाफ युद्ध छेड़ दिया था। 2021 में पश्चिम बंगाल

के विधानसभा चुनाव हुए इस चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने अपनी पूरी ताकत लगा दी। 77 सीटों पर भारतीय जनता पार्टी को विजय प्राप्त हुई। ममता बनर्जी को 294 में से 213 सीटों पर विजय प्राप्त हुई। 2021 के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने अपने सभी अस्त्र-शस्त्र और कौशल का उपयोग किया। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल भी खुलकर मैदान में आ गए। ईडी और सीबीआई ने भी अपना पूरा जोर लगा दिया। केंद्र सरकार के सुरक्षा बल चुनाव के पहले तैनात कर दिए गए। उसके बाद भी जो खेला पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने खेला था। इसका मुकाबला भाजपा नहीं कर पाई। भारतीय जनता पार्टी के लिए दो राज्य बड़े चुनौती बने हुए हैं। उनमें से एक पश्चिम बंगाल है, दूसरा दिल्ली है। भाजपा को अपना अश्वमेध यज्ञ पूरा करने के लिए इन दो राज्यों में सफलता मिलना जरूरी है, जो अभी तक नहीं मिल पाई है। इसी तरह के सारे प्रयोग दिल्ली में भी किए गए। भाजपा को अभी भी सफलता नहीं मिल पाई है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जेल भेज दिया। उसके बाद भी उन्होंने इस्तीफा

शेष पृष्ठ 2 पर

भाजपा से रिश्ता तोड़ेंगे चिराग पासवान?

|| विजयशंकर चतुर्वेदी ||

बिहार में चिराग पासवान को लेकर एक अलग चर्चा जोरों पर है। दावा किया जा रहा है कि चिराग पासवान भाजपा से नाराज चल रहे हैं। इसके साथ ही यह भी दावा किया जा रहा है कि चिराग पासवान की पार्टी के 3 सांसद भाजपा से संपर्क में हैं। कुल मिलाकर देखें तो चिराग पासवान जिस तरीके से हाल के दिनों में केंद्र सरकार के फैसले के विरोध में खुलकर सामने आए हैं, उससे कई अटकलें का दौर शुरू हो गया है। तरह-तरह के सियासी कयास लगाया जा रहे हैं। हालांकि चिराग पासवान ने अब अपनी चुप्पी तोड़ी है।

उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुझे कोई अलग नहीं कर सकता है।

चिराग पासवान स्पष्ट किया कि वह और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कभी अलग हो ही नहीं सकते, क्योंकि मेरा यह समर्पण मेरे प्रधानमंत्री जी के प्रति है। उन्होंने कहा कि जब मैं राजग का हिस्सा नहीं भी था तब भी मैं भाजपा और प्रधानमंत्री जी के विरोध में नहीं था। आज साथ में रहकर विरोध करने की सोच मेरी जेहन में कहीं से नहीं आ सकती है। युवा नेता ने कहा कि इस बात को कतई नहीं भूलना चाहिए कि मेरा समर्पण मेरे प्रधानमंत्री के प्रति है। किस हद तक है, आप सभी ने उसे उस समय भी अनुभव किया होगा जब मैं अपने जीवन के सबसे कठिन दौर से गुजर रहा था। तब भी मेरा विश्वास मेरे प्रधानमंत्री पर था और जितना स्नेह प्रधानमंत्री से मुझे मिला है, उसे आप लोगों ने हाजीपुर की सभा में उनके भाषण को सुना होगा।

चिराग पासवान ने कहा, इस बात को कहने में मुझे कभी

शेष पृष्ठ 2 पर

भाजपा में शामिल हुए चंपई सोरेन

|| विनीता यादव ||

झारखंड के पूर्व सीएम और पूर्व जेएमएम नेता चंपई सोरेन केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा और झारखंड बीजेपी अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी की मौजूदगी में बीजेपी में शामिल हुए। इससे पहले शिवराज ने कहा कि चंपई सोरेन भाजपा के लिए और झारखंड को बचाने के लिए एक संपत्ति हैं। वह ऐसे नेता हैं जिन्होंने मुख्यमंत्री बनकर झारखंड को सही रास्ते पर लाने का काम किया और उसी का नतीजा है कि उनकी जासूसी शुरू कर दी गयी है।

भाजपा नेता ने कहा कि चंपई सोरेन का अपमान किया गया, यह सिर्फ चंपई सोरेन का ही नहीं बल्कि पूरे झारखंड का

अपमान है। उन्होंने भाजपा में शामिल होने का फैसला किया है और हम उनका स्वागत करते हैं। उनके शामिल होने से यहां बीजेपी को मजबूती मिलेगी। चंपई सोरेन का बीजेपी में शामिल होना एक निर्णायक मोड़ साबित होगा। इससे पहले चंपई सोरेन ने झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) से इस्तीफा दे दिया और कहा कि वह पार्टी की वर्तमान कार्यशैली और नीतियों से व्यथित होकर यह कदम उठाने के लिए मजबूर हुए हैं।

चंपई सोरेन ने कहा, मैंने झारखंड मुक्ति मोर्चा की प्राथमिक सदस्यता और सभी पदों से इस्तीफा दे दिया है। मैं झारखंड के आदिवासियों, दलितों, पिछड़ों और आम लोगों के मुद्दों पर लड़ाई जारी रखूंगा। पार्टी प्रमुख शिबू सोरेन को लिखे पत्र में वरिष्ठ आदिवासी नेता ने कहा कि झामुमो की वर्तमान कार्यशैली से व्यथित होकर उन्हें पद छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा। उन्होंने पत्र

शेष पृष्ठ 2 पर

महायुति में दरार

|| उमेश जोशी ||

एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के एक नेता ने कहा कि उनकी पार्टी की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) से निकटता के कारण उन्हें उल्टियां होने लगीं और उन्होंने इसे एलर्जी प्रतिक्रिया बताया। शिवसेना नेता तानाजी सावंत ने उस समय विवाद खड़ा कर दिया जब उन्होंने कहा कि वह जीवन भर राकांपा से कभी सहमत नहीं हुए। उन्होंने एनसीपी के साथ अपने रिश्ते की तुलना "उनकी गोद में बैठने लेकिन उठते ही उल्टी महसूस होने" से की।

एक कार्यक्रम में बोलते हुए, तानाजी सावंत ने कहा था, "मैं शिवसैनिक हूं। यह सच है कि अपने जीवन में हमारी कभी भी कांग्रेस या राकांपा से नहीं बनी। यह एक एलर्जी प्रतिक्रिया की

तरह है, जहां मात्र उपस्थिति ही असुविधा और मतली का कारण बनती है। विचारधाराएं बिल्कुल अलग हैं, इसलिए उनसे सहमत होना संभव नहीं है।" उन्होंने आगे कहा, "यहां तक कि जब मैं कैबिनेट में एनसीपी प्रमुख अजीत पवार के साथ बैठता हूं, तो जैसे ही मैं बाहर निकलता हूं, मुझे उल्टी होने लगती है। यह कुछ ऐसा है जिसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है और 60 साल की उम्र में यह बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है। कुछ ऐसा जिसे बदला नहीं जा सकता। हम अपने सिद्धांतों के प्रति प्रतिबद्ध हैं।"

तानाजी सावंत की टिप्पणी पर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की ओर से तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि हम सिर्फ गठबंधन धर्म निभाने के लिए तैयार हैं।' केवल मुख्यमंत्री ही हैं जो उनकी मतली का इलाज कर सकते हैं। तानाजी सावंत की हालिया टिप्पणियों ने महा विकास अघाड़ी गठबंधन के भीतर एक महत्वपूर्ण विवाद की चिंताओं को जन्म दिया

शेष पृष्ठ 2 पर

संपादकीय

छत्रपति प्रतिमा का ढहना: शासन-तंत्र की भ्रष्टता का प्रमाण

मराठा पहचान और परम्परा के प्रतीक पुरुष, प्रथम हिन्दू नेता छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा हाल ही में की गयी 35 फीट ऊंची प्रतिमा का थरथरा कर गिर जाना राष्ट्रीय शर्म एवं प्रशासनिक भ्रष्टाचार का दुःखद अध्याय है। इस तरह हमारे एक महानायक की महान स्मृतियों से जुड़ी इस प्रतिमा का गिरना एवं ध्वस्त होना सरकार में गहरे पैठ चुके भ्रष्टाचार, लापरवाही एवं रिश्वतखोरी को उजागर करता है। आजादी के अमृत-काल में पहुंचने के बाद भी भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी, बेईमानी हमारी व्यवस्था में जिस तीव्रता से व्याप्त है, उसका यह एक ज्वलंत उदाहरण है, जो सरकार की साख को धुंधला रही है, यह घटना भारतीय नौसेना की साख को भी बट्टा लगा रही है, यह घटना इसलिए भी गंभीर चिंता की बात है कि इससे हमारे सार्वजनिक निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की कलई खुल गई है। गौर कीजिए, इस प्रतिमा के निर्माण पर करीब 3,600 करोड़ रुपये की लागत आई थी और इसी 4 दिसंबर को नौसेना दिवस पर इसका अनावरण किया गया था।

सिंधु दुर्ग में शिवाजी महाराज की इस प्रतिमा के गिर जाने से महाराष्ट्र की राजनीति में उबाल आना स्वाभाविक है, इससे लोगों का आहत होना भी उचित हैं। क्योंकि छत्रपति शिवाजी महाराज महाराष्ट्र के महानायक एवं जन-जन की आस्था के केन्द्र हैं। वे महाराष्ट्र के जीवन का अभिन्न अंग हैं एवं वहां की राजनीति उनके नाम के इर्द-गिर्द घूमती है। महाराष्ट्र ही नहीं सम्पूर्ण देश में शिवाजी महाराज के प्रशंसक हैं। मराठों के अस्तित्व एवं अस्मिता के वे प्राण रहे हैं, मराठों को उन्होंने ने ही लड़ना सिखाया, उनके जीवन को उन्नत बनाया। उन्होंने बिना किसी भेदभाव के महाराष्ट्र की सभी जातियों को एक भगवा झंडे के नीचे एकत्रित किया और मराठा साम्राज्य की स्थापना की। शिवाजी ने अपने राज्य-शासन में मानवीय नीतियां अपनाई थी जो किसी धर्म पर आधारित नहीं थी। महाराष्ट्र क्योंकि उनकी जन्मस्थली ही नहीं कर्मस्थली भी रहा इसलिए महाराष्ट्र की आबोहवा में वे आज भी जीवंत हैं। ऐसे महानायक की प्रतिमा के गिर जाने के बाद महाराष्ट्र की राजनीति में तूफान खड़ा हो गया है। मूर्ति का निर्माण और डिजाइन नौसेना ने तैयार किया था। कहा तो यही जा रहा है कि 45 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही हवाओं के कारण प्रतिमा टूटकर गिर गई।

छत्रपति शिवाजी के महाराष्ट्र और मराठा संस्कृति के ही नहीं, बल्कि भारतीयता के प्रतीक एवं प्रेरणा पुरुष हैं। आम मराठी भावनात्मक रूप से उनसे जुड़ा है। ऐसे में, इस मूर्ति का ढहना राज्य की एकनाथ शिंदे सरकार एवं भारतीय नौसेना की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े करती है। चंद महीने बाद ही राज्य में विधानसभा चुनाव होने के कारण यह एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बनना निश्चित है। एक मजबूत विपक्षी पार्टी शिव सेना की पूरी राजनीति शिवाजी के शौर्य व आत्म-गौरव से प्रेरित है, एनसीपी शरद पवार, कांग्रेस सहित कई विपक्षी दलों ने एकनाथ शिंदे सरकार को निशाना बनाना शुरू कर दिया है और आरोप लगाया है कि छत्रपति शिवाजी का स्मारक चुनावों को देखते हुए जल्दबाजी में बनाया गया था और इस काम में गुणवत्ता को पूरी तरह से अनदेखा किया गया। प्रतिमा का ढह जाना छत्रपति शिवाजी का अपमान तो है ही और यह जाहिर है कि इसका काम घटिया गुणवत्ता का था। इसीलिये घटना को शिवाजी के अपमान के रूप में पेश किया जाने लगा है। चुनाव की सरगर्मियों के बीच शिवाजी की प्रतिमा का मुद्दा चर्चा में आ गया है। इस मुद्दे को वोट जुटाने के लिए असरदार हथियार के रूप में जरूर इस्तेमान किया जायेगा। लेकिन मूल प्रश्न है ऐसे भ्रष्टाचार को रोकने की दिशा में कब सार्थक प्रयास होंगे? राज्य की एकनाथ शिंदे सरकार को इस मामले में त्वरित कार्रवाई करके दोषियों को कड़ी सजा दिलानी चाहिए, ताकि न सिर्फ विपक्ष के आरोपों की धार को निस्तेज किया जा सके, बल्कि सार्वजनिक निर्माण में किसी किस्म की लापरवाही या उदासीनता बरतने वालों को भी यह संदेश मिल सके कि वे बख्शे नहीं जाएंगे।

यह पहली घटना नहीं है, जिसमें किसी बड़ी निर्माण योजना की कमी इस तरह की भ्रष्ट एवं लापरवाही के रूप में उजागर हुई है। हमारे सार्वजनिक निर्माण कार्यों की गुणवत्ता बार-बार तार-तार होती रही है। मई 2023 में उज्जैन के महालोक कोरिडोर में लगी सप्तऋषियों की मूर्तियां भी इसी तरह आंधी-तूफान में धराशायी हो गई थीं। अयोध्या में भी सड़के ध्वस्त हो गयी थी। बिहार में एक पखवाड़े के भीतर लगभग एक दर्जन छोटे-बड़े पुलों के ध्वस्त होने की घटनाएं हैरान करने के साथ-साथ चिंतित करने वाली बनी हैं। दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर टर्मिनल-1 पर छत गिरने की घटना से भी हर कोई हैरान हुआ है। मुंबई में घाटकोपर का होर्डिंग गिरना 14 लोगों की मौत का कारण बना था। कहीं नई बनी सड़कें धंस हो जाती हैं तो कहीं नई सरकारी इमारतों में दरारे पड़ जाती है। इन मूर्तियों, पुलों, सड़कों एवं सार्वजनिक निर्माण के अन्य सरकारी निमार्णों के ध्वस्त होने की घटनाओं ने एक बार फिर यही साबित किया है कि निर्माण कार्यों में फैले व्यापक भ्रष्टाचार और शासन तंत्र में बैठे लोगों की मिलीभगत के बीच ईमानदारी, नैतिकता, जिम्मेदारी या संवेदनशीलता जैसी बातों की जगह नहीं है। आज हमारी व्यवस्था चरमरा गई है, दोषग्रस्त हो गई है। उसमें दुराग्रही इतना तेज चलते हैं कि ईमानदारी बहुत पीछे रह जाती है। जो सद्प्रयास किए जा रहे हैं, वे निष्फल हो रहे हैं। प्रतिमाएं हो या पुल-इनके गिरने से जितने पैसों की बर्बादी होती है, उसकी भरपाई आखिर किससे कराई जाएगी? जाहिर है, इनकी वजहों को समझने के लिए किसी मजबूत, पारदर्शी एवं निष्पक्ष तंत्र की जरूरत है। निर्माण सामग्रियों की गुणवत्ता से समझौता और राजनीतिक दबाव में जल्द से जल्द कार्य पूरा करने की प्रवृत्ति ने ऐसी दुर्घटनाओं की गति एवं मात्रा बढ़ाई है। इसके लिए समूचे तंत्र को अपनी कार्य-संस्कृति पर भी गौर करने की जरूरत है। शिवाजी की प्रतिमा के तेज हवा में यूं ढह जाने से हमें सबक सीखने की जरूरत है।

सवाल है कि जब सरकार किसी कंपनी को ऐसे राष्ट्रीय महत्व के निर्माण की जिम्मेदारी सौंपती हैं, उससे पहले क्या गुणवत्ता की कसौटी पर पूरी निर्माण योजना, डिजाइन, प्रक्रिया, सामग्री, समय-सीमा और संपूर्णता को सुनिश्चित किया जाना जरूरी समझा जाता? देश में भ्रष्टाचार सर्वत्र व्याप्त है, विशेषतः राजनीतिक एवं प्रशासनिक भ्रष्टाचार ने देश के विकास को अवरूद्ध कर रखा है। यही कारण है कि पुल या दूसरे निर्माण-कार्यों के लिए रखे गए बजट का बड़ा हिस्सा कमीशन-रिश्वतखोरी की भेंट चढ़ जाता है। इसका सीधा असर निर्माण की गुणवत्ता पर पड़ता है। निर्माण घटिया होगा तो फिर उसके धराशायी होने की आशंका भी बनी रहती है। निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर निगरानी रखने की पारदर्शी नीति नियामक केन्द्र बनाने के साथ उस पर अमल भी जरूरी है। विकसित देशों में भी ऐसे हादसे होते हैं, लेकिन अंतर यह है कि भारत में ऐसे हादसों से सबक नहीं लिया जाता। यह प्रवृत्ति दुर्भाग्यपूर्ण है। विडम्बना देखिये कि ऐसे भ्रष्ट शिखरों को बचाने के लिये सरकार कितने सारे झूठ का सहारा लेती है। ईमानदारी अभिनय करके नहीं बताई जा सकती, उसे जीना पड़ता है कथनी और करनी की समानता के स्तर तक। आवश्यकता है, राजनीति के क्षेत्र में जब हम जन मुखातिब हों तो प्रामाणिकता का बिल्ला हमारे सीने पर हो। उसे घर पर रखकर न आएं। राजनीति के क्षेत्र में हमारा कुर्ता कबीर की चादर हो। तभी इन मूर्तियों, पुलों, निर्माण कार्यों का भर-भराकर गिरना बन्द होगा।

पृष्ठ 1 का शेष

भाजपा-टीएमसी में महायुद्ध

नहीं दिया। दिल्ली सरकार के सारे अधिकार छीन लिए, इसके बाद भी भारतीय जनता पार्टी दिल्ली में अपनी सत्ता स्थापित नहीं कर पाई।

पश्चिम बंगाल की इस लड़ाई में आग में घी डालने का काम तब हुआ, जब कोलकाता मेडिकल कॉलेज की एक छात्रा की रेप करके हत्या कर दी गई। भाजपा को लगा, यह मौका है, इस संवेदनशील विषय पर ममता बनर्जी को कटघरे में खड़ा किया जा सकता है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री को इस्तीफा देने के लिए विवश किया जा सकता है।

अभी तक इस मामले में कोई सफलता भारतीय जनता पार्टी को नहीं मिली है। डॉक्टर की हत्या के 20 दिन हो चुके हैं। भाजपा को लगता था, सीबीआई की जांच कभी ममता स्वीकार नहीं करेगी। लेकिन ममता ने 5 दिन बाद ही सीबीआई को जांच सौंप दी। भारतीय जनता पार्टी जिस तरह से टीएमसी पर आक्रमण कर रही थी। सरकार में होते हुए भी ममता बनर्जी ने सड़कों पर उतरकर भाजपा का विरोध किया।

ममता बनर्जी भी डॉक्टर के हत्यारे को फांसी देने की मांग कर रही है। अब सीबीआई जांच कर रही है। इतने दिन बीत जाने के बाद भी सीबीआई कुछ नया नहीं खोज पाई। उल्टे हत्या के मामले को छोड़कर वह मेडिकल कॉलेज के डीन के खिलाफ भ्रष्टाचार की जांच कर रही है। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल भी सड़क पर उतर आए। उन्होंने पश्चिम बंगाल की सरकार के खिलाफ अपनी रिपोर्ट गृह मंत्री अमित शाह और राष्ट्रपति को सौंप दी। भाजपा ने इस मामले में, डॉक्टर के हत्यारों को सजा देने के स्थान पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर इस्तीफा देने का दबाव बनाया। जिसके कारण कोलकाता और पश्चिम बंगाल की जनता यह समझ गई,डॉक्टर की हत्या के मामले में भाजपा न्याय करने के स्थान पर ममता बनर्जी को सत्ता से अपदस्थ करना चाहती है। भाजपा ने इस लड़ाई को अपनी

प्रतिष्ठा का विषय बना लिया है। रही-सही कसर राष्ट्रपति ने कोलकाता के मामले में बयान जारी कर ममता बनर्जी के ऊपर दबाव बनाने की कोशिश की। इसकी भी देश भर में उल्टी प्रक्रिया हुई है। भाजपा अब अपने ही बनाए गए चक्रव्यूह में इस तरह से उलझ गई है। उसे समझ नहीं आ रहा है। पश्चिम बंगाल की लड़ाई किस तरह से जीती जाए। एक बार फिर पश्चिम बंगाल के राज्यपाल दिल्ली पहुंचे हैं। केंद्र सरकार यदि ममता बनर्जी की सरकार को बर्खास्त करती है। ऐसी स्थिति में संसद के दोनों सदनों में इसका अनुमोदन 6 माह के अंदर कराना होगा। तमाम दबाव के बाद भी ममता बनर्जी इस्तीफा देने के लिए तैयार नहीं है।

जिन आरोपों पर ममता बनर्जी की सरकार को केंद्र सरकार बर्खास्त करेगी। उससे भी ज्यादा गंभीर आरोप मणिपुर, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, राजस्थान जैसे राज्यों पर हैं। ममता बनर्जी इस लड़ाई को पूरे जोश में लड़ रही है। यदि उनकी सरकार को बर्खास्त किया जाता है, तो वह खुलकर पश्चिम बंगाल से निकलकर देश भर में लड़ाई लड़ेंगी। भाजपा के खिलाफ इंडिया गठबंधन भी उसके साथ होगा। जिस आरोप में ममता की सरकार बर्खास्त की जाएगी। उसकी जवाबदेही केंद्र सरकार पर आ जाएगी। इसका असर राष्ट्रीय स्तर पर होगा। पश्चिम बंगाल मैं जो युद्ध भाजपा द्वारा लड़ा जा रहा है। उसमें टीएमसी और भाजपा दोनों के लिए ही अस्तित्व का संकट है। दोनों के लिए पीछे हटना संभव नहीं है। इस लड़ाई में दोनों ही पक्षों को फायदा कम अस्तित्व का संकट ज्यादा है। इस लड़ाई में राष्ट्रपति के खुद मैदान में आ जाने के कारण, जिस संविधान की रक्षा का भार राष्ट्रपति के ऊपर है। उस संवैधानिक संस्था को भी इस लड़ाई में सबसे ज्यादा नुकसान होने जा रहा है। इसके दीर्घकालीन परिणाम भविष्य में देखने को मिलेंगे। पश्चिम बंगाल की इस लड़ाई में भारतीय जनता पार्टी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह की भी प्रतिष्ठा दांव पर लग गई है। अब देखना है, भाजपा ने जो अश्वमेध का घोड़ा छोड़ा था। वह पश्चिम बंगाल और दिल्ली में आकर रुक तो नहीं जाएगा। अश्वमेध यज्ञ पूरा होगा, या अधूरा रह जाएगा। अब यह चर्चा होने लगी है।

भाजपा से रिश्ता तोड़ेंगे चिराग पासवान?

कोई एतराज नहीं है कि जब तक मेरे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हैं, तबतक चिराग पासवान और प्रधानमंत्री दोंनो कभी अलग हो ही नहीं सकते। मेरा यह समर्पण मेरे प्रधानमंत्री जी के प्रति है। उन्होंने कहा कि वास्तव में उनके विचार हमेशा सरकार के रुख को दशार्ते हैं जिसका एक उदाहरण वक्फ विधेयक को संयुक्त संसदीय समिति को भेजना है। दरअसल ऐसी अफवाह है कि मोदी का 'हनुमान' होने का दावा कर चुके चिराग पासवान ने भाजपा के संख्या बल में गिरावट (लोकसभा में बहुमत से दूर रहने और सत्ता में बने रहने के लिए सहयोगियों पर उसकी निर्भरता) की पृष्ठभूमि में अपनी ताकत दिखाना शुरू कर दिया।

कर्नाटक: एक और ऑपरेशन लोटस

जोले, जनार्दन रेड्डी निरानी के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति देने का आग्रह करेंगे।

भाजपा मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) भूखंड आवंटन 'घोटाले' के सिलसिले में सिद्धरमैया के इस्तीफे की मांग कर रही है। राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने 16 अगस्त को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 17ए और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 218 के तहत कार्यकर्ता प्रदीप कुमार एस पी, टी जे अब्राहम और स्नेहमयी कृष्णा की अर्जियों में उल्लिखित कथित अपराधों में अभियोग चलाने की मंजूरी दी। सिद्धरमैया ने 19 अगस्त कोराज्यपाल के आदेश की वैधता को चुनौती देते हुए कर्नाटक उच्च न्यायालय का रुख किया।

भाजपा में शामिल हुए चंपई सोरेन

में कहा, मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि मैं झामुमो छोड़ दूंगा जो मेरे लिए परिवार की तरह है...अतीत में घटी घटनाओं ने मुझे बहुत पीड़ा के साथ यह निर्णय लेने के लिए मजबूर किया...मुझे यह कहते हुए दुख हो रहा है कि पार्टी अपने सिद्धांतों से भटक गई है। उन्होंने दुख जताते हुए कहा कि पार्टी में अपनी पीड़ा व्यक्त करने के लिए कोई मंच नहीं बचा है और आप (शिबू सोरेन) खराब स्वास्थ्य के कारण राजनीति में सक्रिय नहीं हैं, लेकिन आप मेरे मार्गदर्शक बने रहेंगे...।

महायुति में दरार

है। यह पहली बार नहीं है जब तानाजी सावंत विवादों के केंद्र में हैं। पिछले साल, एक वीडियो सामने आया था जिसमें वह कथित तौर पर धाराशिव (उस्मानाबाद) जिले के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी पर एक पुलिस निरीक्षक को स्थानांतरित करने के लिए दबाव डाल रहे थे, जिससे व्यापक बहस और आलोचना हुई।

दिल्ली की आप सरकार का तीन 'सी' मॉडल: करप्शन-कमीशन-चिट

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

दिल्ली कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने दिल्ली की 'आप' सरकार पर तीखा हमला किया। उन्होंने कहा कि 'आप' सरकार तीन 'सी' – करप्शन, कमीशन और चिट के मॉडल पर चल रही है।

देवेंद्र यादव ने कहा कि "दिल्ली की जो हालत है, वो किसी से छिपी नहीं है। लेकिन हमें इस बात की खुशी है कि 11 साल बाद आम आदमी पार्टी की सरकार को लोगों की सुध लेने का ध्यान आया है। उन्होंने एक कार्यक्रम किया है, इसके तहत हर विधायक अपने-अपने क्षेत्र में जाने का काम करेंगे।"

दिल्ली की 'आप' सरकार पर तंज कसते हुए देवेंद्र यादव ने कहा कि दिल्ली की सरकार तीन 'सी' के फामूर्ले पर चल

रही है- करप्शन, कमीशन और चीट। हमारा फर्ज है कि हम इस सरकार को एक्सपोज करें।

उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता का ये काम है कि वो उनके विधायकों से पूछे कि जब दिल्ली के हर गली-मोहल्लों में शराब की दुकान खोलने को लेकर हम विरोध कर रहे थे, उस समय आप लोग कहां थे।

कांग्रेस नेता ने कहा, दिल्ली में 18 नए हॉस्पिटल खोलने की जरूरत थी, लेकिन सिर्फ तीन खुले, वो भी कोविड के समय में। ये वो तीन हॉस्पिटल हैं, जो कांग्रेस के समय में बनने शुरू हुए थे।

उन्होंने कहा, इन्होंने पांच साल में 1000 मोहल्ला क्लिनिक खोलने की बात की थी, लेकिन सिर्फ 541 पर ही सिमट कर रह गए ।

आज मोहल्ला क्लीनिक के अंदर पशु बांधे जाते हैं और बाहर गंदगी देखने को मिलती है।

हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने लड़कियों के शादी की उम्र 18 से बढ़ाकर 21 साल करने का बिल पास किया। दिल्ली में कांग्रेस की सरकार बनने पर इसको लागू करने के सवाल पर देवेंद्र यादव ने कहा, हिमाचल की सरकार ने बहुत सोच समझ कर ये फैसला लिया है। अगर दिल्ली में कांग्रेस की सरकार बनती है, तो यहां पर भी इस विषय पर विचार किया जाएगा। बता दें कि आम आदमी पार्टी शासित राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कांग्रेस और 'आप' ने मिलकर लोकसभा का चुनाव लड़ा था, लेकिन आगामी विधानसभा चुनाव दोनों पार्टियां अलग-अलग लड़ने का मन बना रही हैं।

राष्ट्रपति से मिले भाजपा विधायक-'आप' सरकार को भंग करने की मांग

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल न्यायिक हिरासत में हैं। इसके बाद से भाजपा दिल्ली सरकार और उनकी पार्टी आप पर हमलावर है। इन सब के बीच भाजपा नेताओं ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की है। इस मुलाकात के बाद भाजपा विधायक विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि हमने राष्ट्रपति मुर्मू से मुलाकात की और अनुरोध किया कि आप सरकार को भंग कर दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ने हमारी बात ध्यान से

सुनी और वह हमारे द्वारा दिए गए ज्ञापन पर संज्ञान लेंगी।

इससे पहले भाजपा ने कहा था कि आबकारी नीति से जुड़े कथित घोटाले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के जेल जाने के मद्देनजर दिल्ली में संवैधानिक संकट का मुद्दा उठाएंगे। दिल्ली विधानसभा में विपक्ष के नेता गुप्ता ने कहा कि भाजपा विधायकों का एक प्रतिनिधिमंडल राष्ट्रपति से मुलाकात करेगा और एक ज्ञापन सौंपेगा। उन्होंने कहा कि बैठक के दौरान छठे दिल्ली वित्त आयोग का गठन न करने और विधानसभा में नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) रिपोर्ट पेश न करने का मुद्दा भी उठाया जाएगा। गुप्ता ने दावा किया कि दिल्ली में केजरीवाल सरकार भ्रष्टाचार में डूबी हुई है और प्रशासनिक व्यवस्था ध्वस्त हो गई है।

हरियाणा में भाजपा को मिलेगा जयंत चौधरी का साथ

राष्ट्रीय लोक दल (आरएलडी) भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ गठबंधन में आगामी हरियाणा चुनाव लड़ने पर विचार कर रही है। खबरों के मुताबिक, आरएलडी हरियाणा में बीजेपी के साथ मिल सकती है, क्योंकि कथित तौर पर बीजेपी इन चुनावों के लिए बड़ी पार्टियों के बजाय छोटी पार्टियों के साथ गठबंधन बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। 2024 में आगामी हरियाणा विधानसभा चुनावों के लिए भाजपा छोटे क्षेत्रीय दलों के साथ गठबंधन करने की संभावना है। इसमें हरियाणा लोकहित पार्टी और हरियाणा जन चेतना पार्टी जैसी पार्टियों को सीटें देना शामिल है।

गोपाल कांडा की पार्टी, जो पांच सीटों का दावा कर रही है, और विनोद शर्मा, जो अंबाला शहर और कालका विधानसभा सीटों पर लक्ष्य बना रहे हैं, के साथ भी संभावित गठबंधन हैं। इस गठबंधन के तहत राष्ट्रीय लोक दल (आरएलडी) के 2 से 4 सीटों पर चुनाव लड़ने की उम्मीद है। केंद्रीय मंत्री अमित शाह सहित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेताओं ने आगामी हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों के नामों पर चर्चा करने के वास्ते यहां पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा के आवास पर बैठक की।

भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) की होने वाली बैठक से पहले इसमें संभावित उम्मीदवारों के नामों पर चर्चा हुई। सीईसी की बैठक में उम्मीदवारों के नामों को अंतिम रूप दिया जाएगा।

सीईसी की बैठक में भाजपा अध्यक्ष नड्डा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय मंत्री शाह एवं राजनाथ सिंह समेत अन्य सदस्य शामिल होंगे। इनके अलावा हरियाणा के चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान और सह-प्रभारी बिप्लव देब, प्रदेश प्रभारी सतीश पूनिया, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बडौली और अन्य वरिष्ठ नेताओं के भी इस बैठक में मौजूद रहने की संभावना है।

कवियत्री उमा त्यागी के काव्य संग्रह 'बुलबुल की कहानी' का विमोचन

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेन्टर एनेक्सी में एक पूरी शाम कविता पर चर्चा के लिए आयोजित की गई थी! मौका था कवित्री उमा त्यागी के काव्य संग्रह 'बुलबुल की कहानी' के विमोचन का। साहित्य,पत्रकारिता और प्रशासनिक जगत के बौद्धिक श्रोताओं के बीच मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद थे लोक मत समाचार समूह के चेयरमैन गुजरात तरह विजय जरा जिन्होंने कहा कि हर व्यक्ति में एक कवि छिपा होता है। यह हम पर निर्भर करता है कि हम उसे बाहर आने का कितना मौका देते हैं।' यदि आप अपनी आंतरिक भावनाओं को व्यक्त करना चाहते हैं तो कविताएँ आसानी से निकल आती हैं। कविताएँ समाज का दर्पण होती हैं। वह रास्ता दिखाती है. उमा जी की कविताएँ जीवन के हर पहलू को उजागर करती हैं। इनमें जीवन के विभिन्न पड़ावों को बड़ी आसानी से संग्रहित किया गया है।

वरिष्ठ पत्रकार पद्मश्री आलोक मेहता, दैनिक हिन्दुस्तान के प्रधान संपादक शशि शेखर,वरिष्ठ कवि अशोक वाजपेयी, लेखिका और कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत, सामाजिक चिंतक और कला जगत के साथ डॉ. हरीश भल्ला और समय प्रकाशन के प्रबंध निदेशक चंद्रभूषण ने भी कविता पर अपने विचार साझा किये।

फोटो : कमलजीत

डॉ हरीश भल्ला ने विजय दर्डा को नमन किया क्योंकि उनके लोकमत समाचार ने एक अहिंदी भाषी क्षेत्र में राष्ट्रभाषा हिंदी का परचम लहराया है। आज भारत में एक बार फिर हिंदी के माध्यम से सारे प्रदेशों को एक सूत्र में बांधने की आवश्यकता है। उमा त्यागी शब्दों का सितारा हैं और उस इलाके की हैं,जहां शब्द शिल्पियों की परंपरा है। जब भी कहीं बिजनौर का नाम लिया जाता है,हमारे सामने ऐसा ही एक कालजई शब्द सितारे की छबि आंखों में तैरने लगती है और वो सितारा है सदाबहार दुष्यंत कुमार।वे अपनी कविताओं और हिंदी गजलों से अमर हैं और उमा त्यागी भी उसी बिजनौर से आती हैं। दुष्यंत कुमार भी त्यागी थे और राजपुर नवादा गांव के थे। उमा दुष्यंत की परंपरा को आगे बढ़ा रही हैं! बुलबुल की कहानी के लिए बधाई। बिजनौर ने भारत को शब्दों के जरिए बेहतरीन प्रेम गाथा भी सौंपी है! कितने लोग जानते हैं कि दुष्यंत एवं शकुंतला की ऐतिहासिक प्रेम कहानी भी बिजनौर की धरती से ही निकली है और उनके वंशज भरत के नाम से इस मुल्क का नाम भारत पड़ा है। उमा जी ने अपने इस संग्रह के माध्यम से सबको जोड़कर एक प्रेम धारा बहाई है। आज के मशीनी दौर में और इमारतों के जंगल में कविता भी कहीं खो गई है। हमारे दिलों के अहसास सूखी डालियों की तरह हैं और भावनाओं के समंदर में अब ज्वार भाटे नहीं आते। यह साहित्य के नजरिए से एक संक्रमण काल है। जब समाज शब्द संस्कृति का आदर करता है तब संस्कार पैदा होता है। लेकिन इन दिनों शब्द संस्कृति का आदर तो दूर उसे अपनाने में भी लोग शर्म अनुभव करते हैं पढ़ने के संस्कार छूटते जा रहे हैं। ऐसे में हम कौन से सभ्य समाज की रचना करने जा रहे हैं? इतिहास गवाह है कि जिस समुदाय ने शब्द को ब्रह्म नही माना ,वह पतन के गर्त में चला गया।

मगध साम्राज्य में चाणक्य क्या थे, कूटनीति का एक बौद्धिक शिल्पी ही तो थे जिस रामचरित मानस को आज हमारे दिलों में प्रतिष्ठा मिली है ,वह तुलसीदास का शब्द संसार ही तो है। जब महा भारत में अर्जुन ठिठके और सगे संबंधियों का विनाश करने से बचने लगे तो कृष्ण ने अपने शब्द ज्ञान से ही तो उनकी मानसिकता बदली उसी शब्द ज्ञान को हम आज गीता के रूप में जानते हैं।

कार्यक्रम में मौजूद विशिष्ट अतिथि अशोक बाजपेई, आलोक मेहता,शशिशेखर, सुप्रिया श्रीनेत ने भी अपने विचार सशक्त रूप से रखकर दर्शकों का मन मोह लिया। लोकमत के संपादक विकास मिश्रा का मनमोहक संचालन और आयोजन में प्रमुख भूमिका सभी ने सराही और प्रवीण भागवत की पर्दे के पीछे कि मेहनत रंग लाई दुष्यंत कुमार ने ठीक ही लिखा थाः

तुम्हारे पाँव के नीचे कोई जमीन नहीं,
कमाल ये है कि फिर भी तुम्हें यकीन नहीं?

इस संगोष्ठी में प्रस्तुत कविताएँ समाज की जीवनधारा हैं। उनमें सच्चाई का सामना करने और उस सच्चाई को समाज के साथ साझा करने का साहस है। बहुत अच्छा है कि काव्य रचना की दुनिया में इस समय महिलाएँ अग्रणी हैं। उमा त्यागी की कविताएँ एक तरफ प्यार के रंग में रंगी हैं तो दूसरी तरफ गंभीर मुद्दों पर भी चर्चा करती हैं। घने कोहरे को भी रोशनी से भरने की कोशिश करता है 'डरावने माहौल में निडर रहना ही कविता का काम है. उमा त्यागी ने अपने रचना संसार को साझा करते हुए कहा कि जीवन में एक पड़ाव ऐसा भी आया जब काला कोहरा छाया था लेकिन रोशनी की उम्मीद ने दस्तक दी। मेरी रचनाएँ उन मील के पत्थर को प्रतिबिंबित करती हैं। हर किसी के जीवन में ऐसा समय आता है. निराश होने की बजाय प्रकाश फैलाना ही मानवीय शक्ति है। मेरी रचनाएँ आम आदमी की अभिव्यक्ति हैं। मैं कण-कण में कविताएँ देखता हूँ।

महिला सुरक्षा को लेकर कांग्रेस ने केंद्र को घेरा: संरक्षण नहीं-भयमुक्त वातावरण चाहिए

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने में कमी के लिए मोदी सरकार की आलोचना की और कहा कि 'बेटी बचाओ' के बजाय, हमें अपनी बेटियों के लिए समान अधिकार सुनिश्चित करने की जरूरत है। खड़गे ने सरकार को आड़े हाथों लेते हुए सवाल किया कि क्या जस्टिस वर्मा समिति की सिफारिशें और कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न के प्रावधानों को पूरी तरह से लागू किया गया है या नहीं।

खड़गे ने एक्स पर लिखा कि हमारी महिलाओं के साथ हुआ कोई भी अन्याय असहनीय है, पीड़ादायक है और घोर निंदनीय है। हमें 'बेटी बचाओ' नहीं बेटी को बराबरी का हक सुनिश्चित करो चाहिए। उन्होंने लिखा कि महिलाओं को संरक्षण नहीं, भयमुक्त वातावरण चाहिए। देश में हर घंटे महिलाओं के खिलाफ 43 अपराध रिकॉर्ड होते हैं। हर दिन 22 अपराध ऐसे हैं जो हमारे देश के सबसे कमजोर दलित-आदिवासी वर्ग की महिलाओं व बच्चों के खिलाफ दर्ज होते हैं। अनगिनत ऐसे अपराध है जो दर्ज ही नहीं होते – डर से, भय से, सामाजिक कारणों के चलते।

कांग्रेस नेता ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी लालकिले के भाषणों में कई बार महिला सुरक्षा पर बात कर चुके हैं, पर उनकी सरकार ने पिछले 10 वर्षों में ऐसा कुछ ठोस नहीं किया जिससे महिलाओं के खिलाफ अपराधों में कुछ रोकथाम हो। उल्टा, उनकी पार्टी ने कई बार पीड़िता का चरित्र हनन भी किया है, जो शर्मनाक है। उन्होंने कहा कि हर दीवार पर बेटी बचाओ पेंट करवा देने से क्या सामाजिक बदलाव आएगा या सरकारें व कानून व्यवस्था सक्षम बनेगी? उन्होंने सवाल किया कि क्या हम निवारक कदम उठा पा रहे हैं? क्या हमारी आपराधिक न्याय प्रणाली सुधरा है? क्या समाज के शोषित व वंचित अब एक सुरक्षित वातावरण में रह पा रहे हैं? उन्होंने पूछा कि क्या सरकार और प्रशासन ने वारदात को छिपाने का काम नहीं किया है?

क्या पुलिस ने पीड़िताओं का अंतिम संस्कार जबरन करना बंद कर दिया है, ताकि सच्चाई बाहर न आ पाएँ? हमें ये सोचना है कि जब 2012 में दिल्ली में निर्भया के साथ वारदात हुई तो जस्टिस वर्मा कमेटी की सिफारिशें लागू हुई थी, आज क्या उन सिफारिशों को हम पूर्णतः लागू कर पा रहे हैं? उन्होंने कहा कि क्या 2013 में पारित कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम के प्रावधानों का ठीक ढंग से पालन हो रहा है, जिससे कार्यस्थल पर हमारी महिलाओं के लिए भयमुक्त वातावरण तैयार हो सके? संविधान ने महिलाओं को बराबरी का स्थान दिया है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के खिलाफ अपराध एक गंभीर मुद्दा है। इन अपराधों को रोकना देश के लिए एक बड़ी चुनौती है। हम सबको एकजुट होकर, समाज के हर तबके को साथ लेकर इसके उपाय तलाशने होंगे। ६ लिंग संवेदीकरण पाठ्यक्रम हो या लिंग बजटिंग, महिला कॉल सेंटर हो या हमारे शहरों में स्ट्रीट लाइट और महिला शौचालय जैसी मूलभूत सुविधा, या फिर हमारे पुलिस सुधार हो या न्यायिक सुधार — अब वक्त आ गया है कि हम हर वो कदम उठाए जिससे महिलाओं के लिए भयमुक्त वातावरण सुनिश्चित हो सके।

हम नहीं करेंगे चुनाव प्रचार चाहें तों नामांकन वापस ले लें गुलाम नबी आजाद

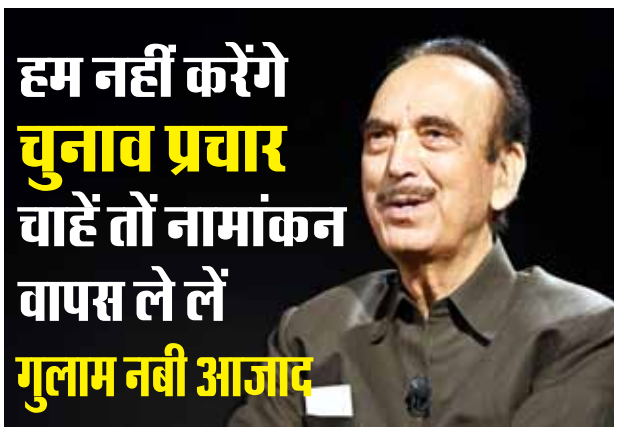

डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी को चुनाव से पहले बड़ा झटका लगा है। खबर है कि वरिष्ठ नेता गुलाम नबी आजाद ने संकेत दिए हैं कि वह खराब स्वास्थ्य के चलते उम्मीदवारों के लिए प्रचार नहीं कर पाएंगे। उन्होंने यह तक कह दिया है कि अगर नेता चाहें, तो उम्मीदवारी वापस ले सकते हैं। खास बात है कि कांग्रेस से अलग होने के बाद आजाद ने डीपीएपी का गठन किया था। हालांकि, शुरूआत से ही पार्टी दल बदल समेत कई झटकों का सामना करती रही है। आजाद ने कहा कि उम्मीदवार खुद आकलन करें कि वह मेरी मौजूदगी के बगैर आगे बढ़ पाएंगे या नहीं। अगर उन्हें लगता है कि मेरी अनुपस्थिति उनकी संभावनाओं पर असर डालती है, तो उनके पास उम्मीदवारी वापस लेने की भी आजादी है। 13 उम्मीदवारों ने डीपीएपी से पर्चा दाखिल किया था। 24 सीटों के लिए 18 सितंबर को पहले चरण का मतदान होना है। खास बात है कि अब अटकलें लगाईं जाने लगी हैं कि 25 सितंबर और 1 अक्टूबर यानी दूसरे और तीसरे चरण के लिए लिस्ट जारी होंगी या नहीं।

रिपोर्ट के अनुसार, आजाद का कहना है कि वह आगामी जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में उम्मीदवारों के लिए प्रचार नहीं कर पाएंगे। श्रीनगर में भी एक स्थानीय एजेंसी को दिए बयान में आजाद ने उम्मीदवारों के लिए प्रचार नहीं करने पर दुख जताया है। रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने कहा, कुछ अप्रत्याशित हालात ने मुझे प्रचार से पीछे हटने के लिए मजबूर कर दिया है...। बातचीत में प्रवक्ता सलमान निजामी ने कहा, आजाद साहब ने कहा है कि वह स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों के कारण प्रचार नहीं कर पाएंगे। अगर किसी उम्मीदवार को लगता है कि वह उनकी गैरमौजूदगी के चलते आगे नहीं बढ़ पाएंगे, तो वह उम्मीदवारी वापस लेने के लिए स्वतंत्र है।

समाजवादी पार्टी जम्मू-कश्मीर में सात सीटों पर लड़ेगी चुनाव

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने घोषणा की है कि उनकी पार्टी अगले महीने सितंबर में जम्मू कश्मीर और हरियाणा में होने वाले विधानसभा चुनाव में अपने प्रत्याशी भी मैदान में उतारेगी। भले ही इससे पार्टी को कोई खास फायदा नहीं होगा, लेकिन अखिलेश यादव, जो अपनी पार्टी को राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा दिलाने के लिए जी तोड़ कोशिशें कर रहे हैं। उसके लिये यह चुनाव फायदे का सौदा साबित हो सकते हैं। राष्ट्रीय दर्जा प्राप्त करने और दूसरे राज्यों में अपना विस्तार करने के लिए समाजवादी पार्टी जम्मू कश्मीर की सात सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी में है। अखिलेश ने जे एंड के में चुनावी तैयारी के लिए जियालाल वर्मा को जम्मू-कश्मीर का प्रदेश अध्यक्ष बनाया है। वर्मा ने प्रत्याशियों के नामों की सूची भी अखिलेश यादव को सौंप दी है। इस सूची का ऐलान शीघ्र हो सकता है। गौर करने वाली बात यहां ये है कि जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी बिना कांग्रेस के गठबंधन के उतर रही है। सपा ने लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के साथ काफी अच्छा प्रदर्शन किया था, लेकिन कश्मीर के कांग्रेस गठबंधन में सपा को जगह नहीं मिल पाई है। सपा जम्मू-कश्मीर की जिन सात सीटों पर उम्मीदवारों को उतारने की तैयारी कर रही है। ये सभी सीटें मुस्लिम बाहुल्य हैं। इसमें से पुलवामा, राजपोरा, कुलगाम, सोपोर, अनंतनाग, और किश्तवाड़ वो सीटें हैं, जहां सपा अपने प्रत्याशी उतारेगी। जम्मू कश्मीर में कांग्रेस ने सपा से किसी तरह का सियासी समझौता नहीं किया है, यहां कांग्रेस, फारूख अब्दुल्ला की नेशनल कांफ्रेंस के साथ गठबंधन करके चुनाव लड़ रही है। ऐसे में समाजवादी पार्टी को जम्मू-कश्मीर में गठबंधन में कोई सीट मिले, इसकी उम्मीद कम है, इसके बावजूद अखिलेश ने कश्मीर में किस्मत आजमाने की पूरी तैयारी कर ली है। ऐसा नहीं सपा कश्मीर में पहली बार चुनाव लड़ रही है।

सपा यहां पहले भी अपने उम्मीदवार उतार चुकी है। शेख अब्दुल रहमान सपा की ओर से विधायक और सांसद रह चुके हैं। लोकसभा चुनाव के बाद सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव कॉन्फिडेंस में नजर आ रहे हैं और पार्टी को राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा दिलाने में लग गए हैं. जिसके लिए महाराष्ट्र, हरियाणा और जम्मू कश्मीर में गठबंधन से सीटों की मांग कर रहे हैं, लेकिन कांग्रेस के साथ इन प्रदेशों में उनकी बात बनती नहीं दिख रही है।

रॉयल स्टार सेलिब्रिटी अवार्ड 2024 का फरीदाबाद में हुआ भव्य आयोजन

॥ विवेक जैन ॥

फरीदाबाद के मेवला महाराजपुर में द रोहन शो व राजस्थान हेयर एण्ड ब्यूटी द्वारा रॉयल स्टार सेलिब्रिटी अवार्ड 2024 का भव्य आयोजन किया गया। शो में देश के विभिन्न क्षेत्रों से आयी जानी-मानी हस्तियों ने शिरकत की। शो में बॉलीवुड़ की जानी-मानी अभिनेत्री व मॉडल रागिनी खन्ना ने सेलिब्रिटी गेस्ट व सीता वर्मा मथुरा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। शो के आयोजक रोहन सिंह व सेलिब्रिटी मेकअप आर्टिस्ट राजेश दहिया ने शो में आये अतिथियों का फूल और बुके भेंट कर स्वागत किया। सेलिब्रिटी मेकअप आर्टिस्ट राजेश दहिया द्वारा उपस्थित लोगों को ब्यूटी टिप्स व इंटरनेशनल हेयर स्टाईलिस्ट रितु यादव द्वारा लोगों को हेयर टिप्स दिये गये। इस अवसर पर ब्राइडल रैम्प शो का आयोजन किया गया। शो के अन्त में प्रतिभाग करने वाले प्रतिभागियों को रॉयल स्टार सेलिब्रिटी अवार्ड 2024 से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सिमरन सहगल द्वारा ग्लोफ्लाई के मैजिकल प्राइमर एवं अन्य गिफ्ट निशुल्क प्रदान किये गये। द रोहन शो में नेशनल अवार्डी व उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा सम्मानित वरिष्ठ पत्रकार विपुल जैन बागपत, शेफालिका मेकओवर उत्तम नगर, राखी वनवाल फरीदाबाद, मेकअप आर्टिस्ट रोज ब्यूटी केयर की डायरेक्टर हरजिंदर कौर चीमा सहित सैकड़ों की संख्या में लोग उपस्थित थे।

बिलासीपारा में मासिक धर्म स्वास्थ्य और स्वच्छता पर जागरूकता अभियान शुरू...

असम के धुबरी जिले के बिलासीपारा उपमंडल प्रशासन ऑल एंड संड्री एनजीओ और वर्ल्ड विजन, इंडिया के सहयोग से लड़कियों के स्वास्थ्य और मासिक धर्म स्वच्छता पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। दूरदराज के इलाकों की जरूरतमंद लड़कियों और महिलाओं के लिए बिलासीपारा सब-डिवीजन की सब डिविजनल ऑफिसर (सिविल) सृष्टि सिंह, आईएएस ने 'एंड पीरियड पॉवर्टी' नामक अभियान शुरू किया है। 'एंड पीरियड पॉवर्टी' अभियान का प्राथमिक एजेंडा बिलासीपारा उपमंडल को असम के 'पीरियड फ्रेंडली जोन' बनाना है। अभियान का उद्घाटन करते हुए, सृष्टि सिंह ने कहा कि मासिक धर्म एक प्राकृतिक प्रक्रिया है और लड़कियों को मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता बनाए रखने के बारे में पता होना चाहिए। अभियान के विषय पर विचार-विमर्श करते हुए, सृष्टि सिंह ने युवा लड़कियों को मासिक धर्म के बारे में विस्तार से जानकारी दी और बताया कि उन्हें मासिक धर्म के दौरान अपने स्वास्थ्य की देखभाल कैसे करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि लड़कियों को इस जैविक प्रक्रिया से शर्मिंदा नहीं होना चाहिए और सभी से गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से बचने के लिए डॉक्टरों के साथ मासिक धर्म के दौरान आने वाली जटिलताओं पर चर्चा करने का आह्वान किया। उन्होंने स्कूल जाने वाली लड़कियों और स्कूल छोड़ चुकी लड़कियों से बातचीत के दौरान उनसे पूछे गए सवालों के भी जवाब दिए। बिलासीपारा सब डिवीजन के अंतर्गत रानीगंज, लखीगंज, बंगालीपारा, फुटकीबारी, उदमारी, हाकामा, बाघमारी, मसानेरलगा, सुआपट्टा और हाटीपोटा गांव पंचायतों की 200 जरूरतमंद लड़कियों ने 'एंड पीरियड पॉवर्टी' अभियान में भाग लिया। प्रत्येक लड़की को 3 महीने की अवधि के लिए बिलासीपारा की सब डिविजनल ऑफिसर सृष्टि सिंह के नेतृत्व में जेसीबी इंडस्ट्रीज के आद्या सैनिटरी पैड के 7 पैकेट जरूरतमंद कन्याओं के बीच वितरित किया गया। इस अवसर पर सामाजिक नेता अभिषेक सिंहा, बिलासीपारा की उप रजिस्ट्रार दिव्या दास, बिलासीपारा की सहायक आयुक्त नम्रता बरूआ, वर्ल्ड विजन इंडिया की कार्यक्रम प्रबंधक ग्रेस लालबीक गंगटे, बिलासीपारा के प्रमुख और वरिष्ठ नागरिक उपस्थित थे।

बंगाल में बवाल: बीजेपी झूठ बोलने वाली पार्टी-रेप पीड़िता हमारी बहन

आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में बलात्कार और हत्या की शिकार महिला डॉक्टर के लिए न्याय की मांग को लेकर बंगाल में विरोध प्रदर्शन लगातार जारी है। भाजपा कार्यकताओं का ममता सरकार के खिलाफ हल्ला-बोल जारी है। इन सब के बीच पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने भी अपना बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अगले सप्ताह हम विधानसभा सत्र बुलाएंगे और बलात्कारियों के लिए मौत की सजा सुनिश्चित करने के लिए 10 दिनों के भीतर एक विधेयक पारित करेंगे। हम इस बिल को राज्यपाल के पास भेजेंगे।

इसके साथ ही ममता ने कहा कि अगर वह पास नहीं हुआ तो हम राजभवन के बाहर बैठेंगे। इस विधेयक को पारित किया जाना चाहिए और वह इस बार जवाबदेही से बच नहीं सकते। उन्होंने कहा कि भाजपा द्वारा आहूत बंद का उद्देश्य बंगाल को बदनाम करना है, यह आरजी कर अस्पताल बलात्कार-हत्या मामले की जांच को पटरी से उतारने की साजिश है। उन्होंने दावा किया कि अगर राज्य सरकार के पास शक्ति होती, तो हम चिकित्सक की हत्या

> मैंने मेडिकल छात्रों को कभी नहीं धमकाया। मेरे खिलाफ दुष्प्रचार किया जा रहा है। मैं उनके प्रदर्शन का पूरा समर्थन करती हूं।
>
> **ममता बनर्जी**
> बंगाल CM

के आरोपियों को सात दिन के भीतर फांसी की सजा दिलाते। उन्होंने कहा कि हम चिकित्सक बलात्कार-हत्या मामले में दोषियों को मृत्युदंड दिलाने के लिए आंदोलन शुरू करेंगे।

उन्होंने दावा किया कि बीजेपी झूठ बोलने वाली पार्टी है, हमने भी छात्र राजनीति की है। उन्होंने कहा कि आरजी कर रेप पीड़िता हमारी बहन है आज का दिन उसे समर्पित है। वहीं, अभिषेक बनर्जी ने कहा कि हम बीजेपी द्वारा बुलाए गए 12 घंटे के 'बंगाल बंद' का विरोध करते हैं। उन्होंने कहा कि अगर अगले 3-4 महीनों में महिलाओं के खिलाफ अपराध से संबंधित समयबद्ध कानून केंद्र द्वारा पारित नहीं किया गया, तो तृणमूल कांग्रेस दिल्ली में एक बड़ा आंदोलन करेगी। पश्चिम बंगाल में राज्य सचिवालय तक मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई के विरोध में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा बुलाए 12 घंटे के बंद के कारण कई हिस्सों में जनजीवन प्रभावित हुआ।

राज्य में कई स्थानों पर रेल और सड़क अवरोधों के कारण सार्वजनिक परिवहन सेवाओं पर असर पड़ा जिससे लोगों को असुविधा हुई। राजधानी कोलकाता में सड़कों पर चहल-पहल कम है। सड़कों पर बहुत कम बस, ऑटो रिक्शा और टैक्सी नजर आ रही हैं। निजी वाहनों की संख्या भी कम है। हालांकि, बाजार और दुकानें पहले की तरह खुली हैं।

स्कूल और कॉलेज खुले हैं लेकिन ज्यादातर निजी कार्यालयों में कर्मचारियों की उपस्थिति बेहद कम है क्योंकि उन्हें घर से काम करने को कहा गया है। सरकारी कार्यालयों में उपस्थिति पहले की तरह सामान्य है। वहीं, भाजपा ने आरोप लगाया कि उत्तर 24 परगना जिले के भाटपारा में उसके दो कार्यकताओं को गोली मारी गई। केंद्रीय मंत्री और पश्चिम बंगाल बीजेपी अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने कहा कि कोलकाता HC ने हमें सात दिवसीय धरने की अनुमति दी है। उन्होंने कहा कि हम उनके फैसले का स्वागत करते हैं। यहां कोई लोकतंत्र नहीं है, पुलिस फायरिंग नहीं रोक सकती, सिर्फ बीजेपी का विरोध रोक सकती है. पुलिस भाजपा नेताओं को तो गिरफ्तार कर सकती है, लेकिन आरोपियों को नहीं।

बंगाल मंत्रिमंडल ने बलात्कार को रोकने के उद्देश्य से नए विधेयक के प्रस्ताव को मंजूरी दी

पश्चिम बंगाल मंत्रिमंडल ने बलात्कार को रोकने और ऐसे अपराधों के लिए सख्त सजा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एक नया विधेयक पेश करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। नया विधेयक विधानसभा में पेश किया जाना है। राज्य के कृषि मंत्री शोभनदेव चट्टोपाध्याय ने कहा कि वह विधानसभाध्यक्ष बिमान बंद्योपाध्याय से दो सितंबर से विधानसभा का दो दिवसीय विशेष सत्र बुलाने का अनुरोध करेंगे। उन्होंने कहा, प्रस्तावित विधेयक तीन सितंबर को विधानसभा में पेश किया जाएगा। आर जी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में एक महिला चिकित्सक के साथ बलात्कार-हत्या मामले के बाद इस विधेयक को पेश किया जा रहा है।

नोएडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी में पहला हेल्थ ट्रेनिंग सत्र संपन्न

भारतीय उद्योग परिसंघ (CII) यूपी हेल्थ समिट 2024 का पहला हेल्थ ट्रेनिंग सत्र आज नोएडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी (NIU) के ऑडिटोरियम में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में 250 से अधिक छात्रों की उपस्थिति में, डिजिटल स्वास्थ्य और मानसिक स्वास्थ्य पर केंद्रित चर्चाएं की गईं।

सीआईआई यूपी राज्य की उपाध्यक्ष और यशोदा सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल्स प्राइवेट लिमिटेड की एमडी, डॉ. उपासना अरोड़ा ने सत्र की शुरूआत करते हुए उत्तर प्रदेश को "उत्तम प्रदेश" बनाने के लिए हर छात्र को हेल्थकेयर का ब्रांड एम्बेसडर बनाने की बात कही।

नोएडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के चेयरमैन डॉ. देवेश कुमार सिंह ने मानसिक स्वास्थ्य के महत्व को रेखांकित किया और बताया कि टेलीमेडिसिन और डिजिटल स्वास्थ्य ने हेल्थकेयर को अधिक सुलभ और उन्नत बनाया है।

नोएडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के चांसलर डॉ. विक्रम सिंह ने छात्रों से सत्र में धैर्यपूर्वक सुनने और सक्रिय भागीदारी करने का आग्रह किया।

मुख्य अतिथि और NABH के सीईओ, डॉ. अतुल मोहन कोच्चर ने 2047 तक भारत की स्वास्थ्य सेवा की गुणवत्ता को सुधारने के उद्देश्य पर जोर दिया।

फेलिक्स हॉस्पिटल्स, नोएडा के चेयरमैन और निदेशक, डॉ. डी.के. गुप्ता ने डिजिटल स्वास्थ्य के महत्व पर जोर देते हुए सत्र का समापन किया। उन्होंने तेजी से डिजिटलाइजेशन और उभरती तकनीकों जैसे HMS, EMR, AI और रोबोटिक्स पर चर्चा की।

सत्र उत्तर प्रदेश और देश में स्वास्थ्य सेवा मानकों को उन्नत करने की प्रतिबद्धता के साथ समाप्त हुआ।

मध्यप्रदेश को मिला 'उत्सवों-मेलों के प्रचार के लिए सर्वश्रेष्ठ राज्य' का पुरस्कार

मध्य प्रदेश पर्यटन को एक बार फिर राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और जीवंत त्यौहारों को बढ़ावा देने में अपने उत्कृष्ट प्रयासों के लिए सम्मानित किया गया है। नई दिल्ली में आयोजित प्रतिष्ठित टुडेज ट्रैवलर अवार्ड्स में मध्य प्रदेश को 'उत्सवों और मेलों के प्रचार के लिए सर्वश्रेष्ठ राज्य' पुरस्कार प्राप्त हुआ है।

प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति विभाग और प्रबंध संचालक, मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड शिव शेखर शुक्ला ने सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने और बढ़ावा देने के लिए राज्य की प्रतिबद्धता को दशार्ते हुए कहा कि, ये उत्सव एवं मेले सिर्फ कार्यक्रम नहीं हैं, वे हमारे इतिहास, परंपराओं और हमारे लोगों की भावनाओं का उत्सव हैं। हम मध्य प्रदेश को दुनिया

में एक प्रमुख सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक गंतव्य बनाने के लिए किये जा रहे प्रयासों को जारी रखेंगे।

अवॉर्ड को युवराज पडोले, सलाहकार, मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा प्राप्त किया गया।

टूरिज्म बोर्ड को यह सम्मान खजुराहो नृत्य महोत्सव, तानसेन समारोह, उत्साद उल्लाउद्दीन खां संगीत समारोह, लोकरंग समारोह, अखिल भारतीय कालिदास समारोह के साथ ही गांधीसागर, कूनो, चंदेरी, हनुवंतिया में आयोजित होने वाले महोत्सव एवं वर्षभर संचालित टेंट सिटीज को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापक प्रचार-प्रसार करने के लिये दिया गया है।

टुडेज ट्रैवलर अवार्ड्स, यात्रा और पर्यटन उद्योग में उत्कृष्टता को मान्यता देने के लिए जाने जाते हैं।

पायनियर: भारतीय सड़कों के लिए AI युक्त स्मार्ट डैशकैम की रेंज लॉन्च

जापान की कंपनी पायनियर कॉर्पोरेशन की सब्सिडियरी पायनियर इंडिया ने अपने मोबिलिटी अक पोर्टफोलियो में भारतीय सड़कों को ध्यान में रखते हुए डैशकैम की एक अत्याधुनिक रेंज लॉन्च की है। AI नाइट विजन, ADAS अलर्ट और अत्याधुनिक पार्किंग तकनीक जैसी आधुनिक सुविधाओं से लैस, पायनियर के नए स्मार्ट डैशकैम सड़क पर चलने वाले हर वाहन में ऑटोमोटिव सुरक्षा और बचाव की सुविधा देता है। इसके साथ ही मोबाइल ऐप के जरिए जुड़े होने की वजह इसका इस्तेमाल बेहद आसान भी है। भारत में डिजाइन किए गए और विशेष रूप से भारतीय सड़कों के लिए बनाए गए ये डैशकैम हर भारतीय कार चालकों और कार मालिकों के लिए खुशी की बात है। नई VREC डैशकैम सीरीज के चार मॉडल्स हैं जिसमें VREC-H120SC, VREC-H320SC, VREC-H520DC और VREC-Z820DC शामिल है। इन मॉडल्स को नई दिल्ली के होटल ललित में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान लॉन्च किया गया, जिसमें पिछले साल ही स्थापित पायनियर इंडिया के नए और अत्याधुनिक R&D सेंटर के अधिकारियों और तकनीकी विशेषज्ञों ने इन डैशकैम के काम करने के तरीकों के बारे में दिखाया और बताया।

पायनियर के नए स्मार्ट डैशकैम कार के आगे और पीछे की सड़क के उच्च-गुणवत्ता वाले वाइड-एंगल वीडियो फुटेज को रिकॉर्ड करते हैं जिससे ड्राइविंग से लेकर पार्किंग तक सभी में मदद मिलती है।

इसके अलावा पार्किंग के दौरान चौबीसों घंटे सुरक्षा प्रदान करते हैं और किसी भी दुर्घटना की स्थिति में जरूरी साक्ष्य भी इकट्ठा करते हैं। कैमरे में रिकॉर्ड किए गए वीडियो का सबसे बड़ा फायदा ये है कि इंश्योरेंस क्लेम के दौरान ऐसे वीडियो की मदद से बीमा कंपनियों के किसी भी धोखाधड़ी में इसे बतौर सबूत के तौर पर पेश किया जा सकता है। ड्राइविंग और पार्किंग के दौरान इन कैमरों की वजह से आप निश्चिंत रहते हैं, आपकी ड्राइविंग आसान हो जाती है और ड्राइविंग के दौरान यादगार पलों को भी रिकॉर्ड कर लेते हैं। डैशकैम के सभी मॉडल पार्किंग के दौरान रिकॉर्डिंग कर सकते हैं। इन डैशकैम में लगातार रिकॉर्डिंग करने की सुविधा है साथ ही साथ अचानक झटके लगने या दुर्घटना के दौरान ऑटोमेटिक रिकॉर्डिंग जैसी सुविधाएं भी हैं।

जापान के पायनियर कॉरपोरेशन के नए मोबिलिटी AI और कनेक्टिविटी डिवीजन के CEO शिव सुब्रमण्यन ने नए पोर्टफोलियो लॉन्च के महत्व पर बोलते हुए कहा, "यह हमारे आधुनिक R&D केंद्र से आने वाले कई आविष्कारों में से पहला है, जिसे हमने पिछले साल भारत में स्थापित किया था, जिसका उद्देश्य विशेष रूप से भारतीय बाजारों के लिए प्रोडक्ट बनाना और विकसित करना है। आज भारतीय न केवल काफी कारें खरीद रहे हैं, बल्कि वे अपनी कारों में कई सुविधाओं की भी मांग कर रहे हैं। भारत में रोड इंफ्रास्ट्रक्चर और ऑटोमोबाइल सेक्टर में काफी तेजी से ग्रोथ देखने को मिल रहा है और ऐसे में गाड़ियों की सुरक्षा और बचाव की मांग आगे लगातार बढ़ने वाली ही है। हम इन डैशकैम को देशभर में फैले अपने डिस्ट्रीब्यूटर्स की मदद से पूरे भारत में 3000 से अधिक खुदरा दुकानों और कार डीलरशिप के जरिए भारतीय ग्राहकों तक पहुंचाएंगे।"

भारतीय उपभोक्ताओं से अच्छे ब्रांड के वादों को पूरा करने के अपने विजन के बारे में बताते हुए, पायनियर इंडिया के प्रबंध निदेशक अनिकेत कुलकर्णी ने कहा कि, "हम गुणवत्ता और प्रदर्शन के मामले में ग्राहकों की उम्मीदों को पूरा करते हुए, ड्राइविंग के नए अनुभवों को बनाने में पूरी लगन से जुटे हैं। पायनियर की R&D टीम आधुनिक मोबिलिटी और इन्फोटेनमेंट जरूरतों को पूरा करने के लिए भारतीय और वैश्विक ऑटोमोटिव OEMs के साथ काम कर रही है। अगस्त '23 की शुरूआत में, कंपनी ने गुरुग्राम और बेंगलुरु में एक आधुनिक R&D केंद्र शुरू किया, जो भारतीय और वैश्विक बाजारों के लिए नए-नए आविष्कारों और उत्पादों पर केंद्रित था। भारत में डैशकैम का बाजार 2024 से 2030 तक 15-16% की दर से बढ़ने की उम्मीद है।

बिहार के एक गांव पर वक्फ बोर्ड ने ठोका अपना दावा

वक्फ विल को लेकर लगातार चर्चा जारी है। इन सबके बीच पटना से सटे फतुहा के गोविंदपुर गांव से हैरान करने वाली खबर सामने आई है। दरअसल, तमिलनाडु के एक गांव पर मालिकाना हक जताने के बाद अब वक्फ बोर्ड ने बिहार के एक पूरे गांव पर मालिकाना हक जताया है। बिहार वक्फ बोर्ड ने गोविंदपुर, जहां के 95% निवासी हिंदू हैं, के सात ग्रामीणों को नोटिस भेजकर 30 दिनों के भीतर जमीन खाली करने की मांग की है। एक रिपोर्ट के मुताबिक पटना से 30 किलोमीटर दूर स्थित गोविंदपुर में रहने वाले सात लोगों को नोटिस मिला है कि जिस जमीन पर उनका कब्जा है वह वक्फ की है और उन्हें इसे खाली करना होगा। हालाँकि, ग्रामीणों ने यह कहते हुए प्रतिवाद किया कि यह जमीन उनके दादाओं के समय से ही उनके परिवारों के पास है।

ब्रिजेश बल्लभ प्रसाद, राजकिशोर मेहता, रामलाल साव, मालती देवी, संजय प्रसाद, सुदीप कुमार और सुरेंद्र विश्वकर्मा को बिहार राज्य सुन्नी वक्फ बोर्ड से नोटिस मिला है। नोटिस में कहा गया कि यह जमीन वक्फ बोर्ड की है और आप लोग 30 दिनों के अंदर खाली करें। इतना ही नहीं, वक्फ ने अपना बोर्ड भी लगा दिया है जो अभी भी लगा है। नोटिस मिलने के बाद सातों जमीन मालिकों ने पटना हाईकोर्ट में याचिका दायर की। हाई कोर्ट ने कहा है कि जमीन 1910 से सात याचिकाकाताओं के वंशजों के नाम पर है। ऐसे में पीड़ितों को तत्काल राहत मिली है। लेकिन डर अभी भी उनमें है।

इस महीने की शुरूआत में, जब अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने वक्फ (संशोधन) विधेयक-2024 पेश किया, तो उन्होंने इस बात पर आश्चर्य व्यक्त किया कि कैसे कुछ सरकारी और निजी भूमि को वक्फ संपत्ति घोषित कर दिया गया। उन्होंने 2013 में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूपीए द्वारा वक्फ बोर्डों को दी गई निरंकुश शक्तियों पर सवाल उठाया। लोकसभा में अपने एक घंटे के संबोधन के दौरान रिजिजू ने सदन को बताया कि तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली जिले के एक गांव में सूरत नगर निगम के पूरे मुख्यालय को वक्फ संपत्ति घोषित कर दिया गया है। उन्होंने पूछा, "ऐसा कैसे हो सकता है? क्या नगर निगम किसी की निजी संपत्ति है? नगर निगम की जमीन को वक्फ संपत्ति कैसे घोषित किया जा सकता है?"

कांग्रेस कार्यकर्ता राहत और बचाव कार्य में प्रशासन की मदद करें

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

गुजरात में बीते कुछ दिनों से भारी बारिश का दौर लगातार जारी है। वर्षा से जुड़ी घटनाओं में नौ और लोगों की मौत हो गई, जिससे दो दिनों में मरने वालों की संख्या 16 हो गई, जबकि 8,500 अन्य लोगों को बाढ़ प्रभावित इलाकों से निकाला गया और बचाया गया। इसी बीच, राहुल गांधी ने सभी कांग्रेस कार्यकताओं से अपील है कि वो प्रभावित लोगों की और राहत एवं बचाव कार्य में प्रशासन की हर संभव सहायता करें।

राहुल गांधी ने एक्स पर ट्वीट कर कहा, गुजरात में बाढ़ की स्थिति दिन प्रतिदिन और भयंकर होती जा रही है। इस आपदा में जिन परिवारों ने अपनों को खोया है, जिनकी संपत्ति का नुकसान हुआ है, उनके प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की आशा करता हूं।

सभी कांग्रेस कार्यकताओं से अपील है कि वो प्रभावित लोगों की और राहत एवं बचाव कार्य में प्रशासन की हर संभव सहायता करें। सरकार से अपेक्षा है कि इस आपदा के प्रकोप को कम करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए, ताकि प्रभावित लोग जल्दी से जल्द पुनर्निर्माण और पुनर्वास की दिशा में बढ़ सकें।

ई-कॉमर्स पर बड़ा दांव लगाने से नौकरियां उपभोक्ता लाभ को बढ़ावा मिलेगा

दिल्ली स्थित अग्रणी नीति अनुसंधान संस्थान, पहले इंडिया फाउंडेशन (पीआईएफ) ने अपना व्यापक अध्ययन 'भारत में रोजगार और उपभोक्ता कल्याण पर ई-कॉमर्स के शुद्ध प्रभाव का आकलन' शुरू किया।

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल द्वारा जारी की गई रिपोर्ट, भारतीय अर्थव्यवस्था में ई-कॉमर्स की परिवर्तनकारी भूमिका में गहराई से उतरती है, रोजगार सृजन और उपभोक्ता लाभों पर इसके प्रभाव की जांच करती है। लॉन्च के अवसर पर भारत सरकार के MoSPI के सचिव सौरभ गर्ग भी उपस्थित थे।

रिपोर्ट जारी होने के बाद दो सत्रों में एक जीवंत चर्चा हुई, पहले की अध्यक्षता पीआईएफ के अध्यक्ष और नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष डॉ. राजीव कुमार ने की, और दूसरे की अध्यक्षता पीआईएफ के प्रतिष्ठित फेलो और पूर्व निदेशक आशीष कुमार ने की। सांख्यिकी कार्यालय, भारत सरकार के जनरल। विशेषज्ञों के एक प्रतिष्ठित पैनल के योगदान ने चर्चा को समृद्ध बनाया।

डॉ. राजीव कुमार ने कहा: "ई-कॉमर्स ने भारत के खुदरा परिदृश्य में क्रांति ला दी है। हमारा अध्ययन रोजगार और उपभोक्ता कल्याण पर इसके प्रभाव की डेटा-संचालित समझ प्रदान करता है, जो नीति निमार्ताओं और उद्योग हितधारकों के लिए अमूल्य अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।"

वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने ईकॉमर्स के विकास के मध्यम से दीर्घकालिक सामाजिक-आर्थिक प्रभाव को देखने की आवश्यकता दोहराई। उन्होंने कहा, "मैं इस बात से इनकार नहीं करता कि ई-कॉमर्स की एक भूमिका है, लेकिन हमें ध्यान से सोचना होगा कि वह भूमिका क्या है और यह एक संगठित तरीके से कैसे विकसित हो सकती है।"

अध्ययन के मुख्य निष्कर्ष रोजगार में ई-कॉमर्स के महत्वपूर्ण योगदान को उजागर करते हैं, ई-कॉमर्स विक्रेताओं ने 16 मिलियन नौकरियां पैदा की हैं। यह रोजगार विपणन से लेकर प्रबंधन, ग्राहक सेवा और संचालन, और वेयरहाउसिंग लॉजिस्टिक्स और डिलीवरी तक कौशल स्तरों पर विभिन्न भूमिकाओं में वितरित किया गया था। यह भी पाया गया कि ई-कॉमर्स अन्य खुदरा क्षेत्रों की तुलना में महिला श्रमिकों के लिए लगभग दोगुनी संख्या में नौकरियां पैदा करता है।

ई-कॉमर्स का प्रभाव छोटे शहरों में काम करने वाले विक्रेताओं पर भी महत्वपूर्ण है। अध्ययन के अनुसार, छोटे शहरों में 60% विक्रेताओं ने ऑनलाइन बिक्री शुरू करने के बाद से बिक्री और मुनाफे में वृद्धि की सूचना दी है, इनमें से दो-तिहाई से अधिक ने अकेले पिछले वर्ष में ऑनलाइन बिक्री मूल्य और मुनाफे में वृद्धि का अनुभव किया है। टियर 3 बाजारों में यह संख्या और भी अधिक थी, जहां 71% विक्रेताओं ने अपने व्यवसायों में अतिरिक्त बिक्री की सूचना दी।

अध्ययन इस बात पर भी प्रकाश डालता है कि कैसे ई-कॉमर्स ने उपभोक्ता व्यवहार को नया आकार दिया है, यह देखते हुए कि उपभोक्ता सुविधा, उत्पाद विविधता और पहुंच जैसे कारणों से ऑनलाइन शॉपिंग में स्थानांतरित हो गए हैं। अत्यधिक व्यस्त उपभोक्ता आधार का संकेत इस तथ्य से मिलता है कि सर्वेक्षण में भाग लेने वाले सभी उत्तरदाताओं में से 50% से अधिक ने एक सप्ताह में ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर दो घंटे से अधिक समय बिताया, और 70% ने अकेले पिछले महीने में ई-कॉमर्स के माध्यम से खरीदारी की।

पहले इंडिया फाउंडेशन के शोध का उद्देश्य नीतिगत निर्णयों को सूचित करना और ई-कॉमर्स क्षेत्र के भीतर सतत विकास को बढ़ावा देना है। साक्ष्य-आधारित विश्लेषण प्रदान करके, फाउंडेशन एक संपन्न डिजिटल अर्थव्यवस्था में योगदान देना चाहता है जिससे व्यवसायों और उपभोक्ताओं दोनों को लाभ हो।

पहले इंडिया फाउंडेशन के बारे में 2013 में स्थापित, पहले इंडिया फाउंडेशन एक गैर-लाभकारी थिंक टैंक है जो नीति-केंद्रित अनुसंधान के लिए समर्पित है। फाउंडेशन ई-कॉमर्स सहित महत्वपूर्ण मुद्दों का विश्लेषण करने में सबसे आगे रहा है, और इसने भारत में नीति निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

श्री धार्मिक लीला कमेटी ने रामलीला के मंचन की तैयारी शुरू

श्री धार्मिक लीला कमेटी ने इस साल की रामलीला के मंचन के लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं। 8 सितंबर को भूमि पूजन होगा । इसके लिए कमेटी ने निमंत्रण भेजने का कार्य शुरू कर दिया है। कमेटी के महासचिव धीरजधर गुप्ता व अन्य पदाधिकारियों ने भूमि पूजन के प्रमुख अतिथि के रूप में अक्षरधाम मंदिर के प्रमुख मुनि वत्सल को आमंत्रित किया।

उन्होंने बताया कि वह अगले दिनों के दौरान देश व विदेश के अनेक गणमान्य व्यक्तियों को भी निमंत्रण देंगे।

श्री धार्मिक लीला कमेटी के मंत्री प्रदीप शरण ने बताया कि रामलीला का मंचन लालकिला मैदान स्थित माधवदास पार्क में होगा। रामलीला का भव्य मंचन किया जाएगा। रामलीला के इस आयोजन का उद्देश्य भारतीय धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं को दशार्ना है। रामलीला में दर्शकों को भगवान राम के जीवन के प्रमुख घटनाक्रमों को नाटकीय रूप में प्रस्तुत किया जाएगा। विशेष रूप से रामलीला के मंचन में नए और रोमांचक प्रस्तुतियों का समावेश किया जाएगा, जो दर्शकों को आकर्षित करने का काम करेंगे।

कमेटी के प्रवक्ता रवि जैन बताया कि इस बार के रामलीला आयोजन में सांस्कृतिक और धार्मिक कार्यक्रमों की विविधता को बढ़ाया जाए। इससे दर्शकों को न केवल धार्मिक संदेश मिलेगा, बल्कि एक सांस्कृतिक अनुभव भी प्राप्त होगा।

मेरा क्या होगा..?

ललित भसोढ़

लाला जी का सभी से अपनेपन से मिलना व उनके चेहरे की मुस्कुराहट अनजाने लोगों को भी अपना बना लेती थीं पर उस दिन लाला जी बहुत परेशान नजर आ रहे थे। दो बेटों व एक बेटी के पिता लाला जी एक भरे पूरे परिवार के मुखिया थे उन्हें लाला जी कब व कैसे कहा जाने लगा कोई भी नहीं जानता है घर-परिवार नाती-पोते व यहां तक की पड़ोसी भी उन्हें लाला जी ही कहकर बुलाते थे लाला जी ने समय रहते ही अपने बेटों व बेटियों को ब्याह दिया था वह सभी अपने-अपने परिवार में बहुत खुश थे। लाला जी की उम्र लगभग 75 वर्ष हो चली थी एक अच्छी बात यह थी कि उम्र के इस पड़ाव पर उनकी जीवनसंगिनी का साथ अभी तक बना हुआ था लाला जी व उनकी धर्मपत्नी आपस में छोटी-छोटी बातों में आपस में लड़ पड़ते पर परिवार का कोई भी सदस्य उनकी लड़ाई के बीच में नहीं बोलता था क्योंकि वह दोनों आपस में लड़ते-लड़ते कब एक मत हो जाये पता नहीं था इसी तरह की नौकझौक के बीच जिंदगी आगे बढ़ रहीं थी पर आज जब टैन वाले गुप्ता जी लाला जी से मिले तो वह बहुत उदास थे कई बार पूछने पर उन्होंने बताया की उनकी पत्नी की तबीयत ठीक नहीं है बहुत बीमार है वो तो गुप्ता जी ने माहौल को कुछ हल्का करने की गरज से लाला जी से कहा की अरे वाह लाला जी आप तो इस उम्र में भी भाभी जी को बहुत प्यार करते हो बड़ी चिंता सता रही है भाभी जी की गुप्ता जी की बात सुनकर लाला जी कुछ नाराज होते हुए बोलें की तुम नहीं समझोगे अगर इस उम्र में उसे कुछ हो गया तो मेरा क्या होगा.. ?

शाम को लाला जी के घर के बाहर बहुत भीड़ लगी थी वहां पर मौजूद सभी लोगों के चेहरे मुरझाये व आंखे नम थी तो कुछ लोग अपनी आंखों में आये आसुओं को एक दूसरे से छिपाने की कोशिश कर रहे थे।

लाला जी के घर के बाहर लगी भीड़ को देखकर गुप्ता जी उनके घर पहुंच गये उनका मन बहुत भारी हो चला था किसी अनहोनी की आशंका से उनका दिल कांप रहा था आज सुबह ही लाला जी ने उनको बताया था कि उनकी पत्नी की तबीयत ठीक नहीं है । गुप्ता जी ने लाला जी के बेटे के कांधे पर हाथ रखा तो वह जोर-जोर से रोने लगा लगा और उसने कहा कि आज हमारे लाला जी हमें अनाथ करके चले गये अब वह कभी वापस नहीं आयेगें सुनकर गुप्ता जी वही जमीन पर बैठ गये उनकी आंखों से कब आंसुओं की धारा बहने लगी उन्हें खुद ही नहीं पता चला, वहां मौजूद कालोनी वाले आपस में बात कर रहे थे कि लाला जी अपनी पत्नी को बहुत प्यार करते थे कुछ दिनों से वह बहुत बीमार थी और लाला जी को उन्हीं की चिंता सता रहीं थी उसी के चलते शायद उन्हें आज दोपहर में हार्ट अटैक आया और वह इस दुनिया से विदा हो गये उनकी जान चली गई ..

तो वहीं गुप्ता जी को आज सुबह ही लाला जी के कहें वह अंतिम शब्द बार बार याद आ रहे थे कि अगर इस उम्र में उसे कुछ हो गया तो मेरा क्या होगा.....

हरियाणा चुनाव में पहले ईडी की एंट्री

कांग्रेस नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा से जुड़ी करोड़ों की संपत्ति जब्त

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपिंदर सिंह हुड्डा और ईएमएएआर और एमजीएफ डेवलपमेंट्स लिमिटेड सहित अन्य आरोपियों से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में 834 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की है। संपत्तियां गुरुग्राम और दिल्ली के 20 गांवों में स्थित हैं। मामले में आरोप लगाया गया है कि ईएमएएआर-एमजीएफ ने हुडा और निदेशक डीटीसीपी त्रिलोक चंद गुप्ता की मिलीभगत से कम कीमत पर जमीन का अधिग्रहण किया, जिसके परिणामस्वरूप जनता और सरकार दोनों को काफी नुकसान हुआ।

संघीय एजेंसी ने कुल 401.65479 एकड़ की अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से संलग्न किया है, जिसका मूल्यांकन मेसर्स ईएमएएआर इंडिया लिमिटेड के लिए 501.13 करोड़ रुपये और मेसर्स एमजीएफ डेवलपमेंट्स लिमिटेड के लिए 332.69 करोड़ रुपये है। ये संपत्तियां हरियाणा के गुरुग्राम जिले और दिल्ली के 20 गांवों में स्थित हैं। जांच गुड़गांव के सेक्टर 65 और 66 में एक प्लॉट कॉलोनी से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों पर केंद्रित है, जिसमें

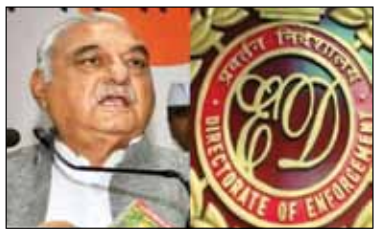

दोनों कंपनियां शामिल हैं।

ईडी ने आईपीसी, 1860 और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की विभिन्न धाराओं के तहत केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दायर एक एफआईआर के आधार पर जांच शुरू की। एफआईआर में हरियाणा के तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपिंदर सिंह हुड्डा, डीटीसीपी के तत्कालीन निदेशक त्रिलोक चंद गुप्ता और मेसर्स ईएमएएआर एमजीएफ लैंड लिमिटेड के साथ-साथ 14 अन्य कॉलोनाइजर कंपनियों का नाम शामिल है।

यह मामला जमीन मालिकों, जनता और हरियाणा/हुडा राज्य को धोखा देने के आरोपों पर केंद्रित है। आरोपियों पर भूमि अधिग्रहण अधिनियम, 1894 की धारा 4 के तहत अधिसूचना जारी करने और अधिसूचना से पहले प्रचलित बाजार दरों की तुलना में काफी कम कीमतों पर भूमि अधिग्रहण करने के लिए अधिनियम की धारा 6 के तहत अधिसूचना जारी करने का आरोप है। उन पर अधिग्रहित भूमि के लिए धोखाधड़ी से आशय पत्र (एलओआई) या लाइसेंस प्राप्त करने, भूस्वामियों और राज्य को वित्तीय नुकसान पहुंचाने और अपने लिए गलत लाभ प्राप्त करने का आरोप है।

परिवहन मंत्री गडकरी को लीला अवलोकन का न्यौता

लालकिला ग्राउंड में आयोजित लव कुश रामलीला कमेटी का एक शिष्टमंडल कमेटी के अध्यक्ष अर्जुन कुमार के नेतृत्व में केंद्रीय सड़क, परिवहन, राजमार्ग, जहाजरानी मंत्री श्री नितिन गडकरी से मिला और उन्हें सपरिवार आगामी 03 अक्तूबर से 13 अक्टूबर तक आयोजित प्रभु श्री राम जी की लीला का अपनी सुविधा अनुसार किसी दिन अवलोकन करने के लिए आमंत्रित किया।

मंत्री महोदय ने इस आमंत्रण को तुरंत स्वीकार करते हुए शिष्टमंडल का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर नितिन गडकरी ने कहा युग पुरुष प्रभु श्री राम की लीला हमारी युवा पीढ़ी को उनके त्याग, समर्पण, और उनके नैतिक मूल्यों से अवगत कराते हुए असत्य पर सत्य की जीत का संदेश देती है,उन्होंने लीला आयोजको को बधाई देते हुए कहा आप प्रति वर्ष लीला आयोजन के दौरान पूरी दिल्ली को राममयी बना देते है।

इस शिष्ट मंडल में लीला कमेटी के चेयरमैन पवन गुप्ता, महामंत्री सुभाष गोयल, संजय जैन, संदीप भूटानी, लोकेश बंसल, राज कुमार कश्यप सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

लीला कमेटी की और से मंत्री महोदय को शक्ति का प्रतीक गदा, राम जी का चित्र और अंग वस्त्र प्रदान किया गया।

राष्ट्रीय कवि सम्मेलन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

गढ़वाली, कुमाउंनी, एवं जौनसारी अकादमी, दिल्ली द्वारा स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय कवि सम्मेलन एवं देशभक्ति सांस्कृतिक का आयोजन कात्यायनी सभागार, मंदिर परिसर, कृष्णा मार्ग, पॉकेट-3, मयूर विहार फेस-1, दिल्ली में का में किया गया। इस अवसर पर पर्वतीय कला संगम, दिल्ली के कलाकारों द्वारा भगवत मनराल के निर्देशन में सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति की गई। कार्यक्रम में अकादमी के पूर्व उपाध्यक्ष डॉ. कुलदीप भंडारी सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति एवं काव्य प्रेमी उपस्थित थे।

कवि बृज मोहन वेदवाल के संचालन में हुए इस राष्ट्रीय कवि सम्मेलन में कुमाउंनी कवि ने अपने काव्य पाठ में पढ़ा 'हमर देशकि मटकि खुशबु', 'पहाड़क हम रोणी छौ ' ओम प्रकाश आर्य ने देश की एकता और अखंडता के प्रतीक तिरंगे झंडे को समर्पित अपने काव्य पाठ में पढ़ा। आओ हम सब मिल जुलीबे, यो तिरंग कैं लहरै द्यौं " रमेश हितैषी ने आजादी के इतिहास पर अपनी रचना में कहा 'आज हम आजाद छौं, हम सबूक हाथ में तिरंग छौ।

गढ़वाली कवि बृज मोहन वेदवाल ने अपने काव्य पाठ में शहीदों को नमन करते हुए पढ़ा 'आजादी मीला जौंका भवारा, इतका बद्दू ह्वे जौंका सारा '' गोदाम्बरी बूड़ाकोटी ने नारी शक्ति पर आधारित अपने काव्य पाठ में पढ़ा 'सृष्टि रचना की सक्ति त्वेमा, प्रकृति मा अंश त्यारू ' जौनसारी कवि सुल्तान सिंह तोमर ने पढ़ा 'अंग्रेजों से आमुक ऐला, जरूर मिलिए आजादी।

संस्कार भारती की दायित्व बोध कार्यशाला

॥ जया अग्रवाल ॥

संस्कार भारती ग्वालियर इकाई द्वारा दायित्व बोध कार्यशाला का आयोजन को महात्मा गांधी विधि महाविद्यालय में किया गया। संस्कार भारती ग्वालियर महानगर के सभी दायित्ववान कार्यकर्ता एवं सम्मानित सदस्यों उक्त कार्यशाला में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप मे संघ के विजय दीक्षित (संस्कार भारती के मार्गदर्शक) उपस्थित रहे, उन्होंने अपने उद्बोधन मे" दायित्वों का निर्वाह कैसे हो और कार्यकर्ता का आचरण " जैसे विषयों पर अपना उद्बोधन दिया। उन्होंने गीता के बारहवे अध्याय का उदाहरण देते हुए किन-किन परिस्तिथियों में कार्यकर्ता को कार्य करना हैं। मध्य भारत प्रांत के महामंत्री अतुल अधोलिया ने संगठन मे कार्यकर्ता आपस में कैसे अछे आचरण और विनम्रता के साथ कार्य करें। दिनेश चंद्र दुबे जिला इकाई कार्यकारी अध्यक्ष जी ने संघटन के प्रतीक चिन्ह भगवानों नटराज और महत्पूर्ण उत्सवों पर अपना उद्बोधन दिया। श्रीमती अनीता करकरे ने संस्कार भारती की कार्यप्रणाली पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप मे महात्मा गाँधी विधि महाविद्यालय के चेयरमैन यशपाल सिंह तोमर उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रदीप दीक्षित और शेखर दीक्षित द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में जिला महामंत्री चंद्र प्रताप सिकरवार द्वारा सभी का आधार प्रदर्शन किया गया।

मध्यप्रदेश भवन, नई दिल्ली में आयोजित मध्यप्रदेश उत्सव का शुभारंभ डॉ० मोहन यादव, मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश के कर कमलों द्वारा किया गया। मध्यप्रदेश उत्सव का आयोजन दिनाँक 30 अगस्त से 02 सितंबर तक किया जा रहा है, "म०प्र० उत्सव" में मध्यप्रदेश राज्य के आंचलिक व्यंजनों (मालवा, बुन्देलखण्ड, बघेलखण्ड, निमाड़) का मेला प्रदर्शन, मध्यप्रदेश की हस्तशिल्प-हस्तकला की प्रदर्शनी, एक जिला एक उत्पाद (ODOP) की प्रदर्शनी, GI उत्पादों की प्रदर्शनी, राज्य की उपलब्धियों की प्रदर्शनी, मध्यप्रदेश के पुरातत्व की प्रदर्शनी, तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियों का आयोजन किया जाएगा। इस उत्सव का आयोजन राज्य के कला संस्कृति के प्रचार प्रसार हेतु किया जाता है।

श्रीनगर में जेम एंड ज्वैलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल का पहला आउटरीच कार्यक्रम

जेम एंड ज्वैलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल, रीजेनल ऑफिस, दिल्ली ने कश्मीर चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, जम्मू डीजीएफटी, श्रीनगर ईसीजीसी के सहयोग से जागरूकता पैदा करने और व्यापारियों को आभूषण निर्यात व्यवसाय में प्रवेश करने के लिए शिक्षित करने के श्रीनगर में अपना पहला आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किया।

जीजेईपीसी नॉर्थ के रीजेनल चेयरमैन अशोक सेठ ने मुख्य अतिथि विक्रमजीत सिंह, आईपीएस, आयुक्त/सचिव, उद्योग और वाणिज्य विभाग, जम्मू और कश्मीर सरकार का स्वागत किया। श्री सेठ ने अपने स्वागत भाषण के दौरान जीजेईपीसी की यात्रा और उसके कार्यों को साझा किया। उन्होंने उन व्यापारियों जो पहले से ही जेम्स और ज्वेलरी का एक्सपोर्ट कर रहे हैं और एक्सपोर्ट व्यवसाय में प्रवेश करने की सोच रहे हैं के लिए सदस्यता की आवश्यकता पर जोर दिया । उन्होंने कहा, जम्मू-कश्मीर क्षेत्र में बहुत अधिक संभावनाएं और कुशल कारीगर हैं और आभूषण निर्यात के विकास को बढ़ावा देने के लिए इसकी सर्वोत्तम क्षमता का पूरी तरह से उपयोग किया जा सकता है।

आयुकत सचिव सिंह ने कश्मीर में पहली बार इस तरह के सूचनात्मक आउटरीच कार्यक्रम के आयोजन के लिए रीजेनल चेयरमैन, जीजेईपीसी और अध्यक्ष, केसीसीआई को धन्यवाद दिया और जीजेईपीसी के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि जब उन्होंने यहां आयुक्त के रूप में कार्यभार संभाला था। उन्हें तब इस क्षेत्र में जेम्स और ज्वेलरी उद्योग के दायरे और इसके भविष्य का एहसास

हुआ। उन्होंने कहा कि क्षेत्र अन्य क्षेत्रों में अच्छा प्रदर्शन कर रहा है, लेकिन अतीत में जेम्स और ज्वेलरी की छिपी क्षमता को उजागर नहीं किया जा सका और क्षेत्र में कुशल जनशक्ति की कोई कमी नहीं होने के बावजूद इस पर ध्यान नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि हस्तशिल्प, एम्पोरियम और अन्य वस्तुएं ठीक चल रही हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में जेम्स और ज्वेलरी क्षेत्र की निर्यात क्षमता को बढ़ाने की आवश्यकता को महसूस करते हुए, वह स्थानीय संघों और कारीगरों को पूरा समर्थन देंगे और उन्हें व्यवसाय में आगे आने में मदद करेंगे।

ए.के. भूषण, उप निदेशक, डीजीएफटी, जम्मू ने एक उपयुक्त पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से ज्वेलरी एक्सपोर्ट का निर्यात व्यवसाय शुरू करने की संपूर्ण प्रक्रिया के बारे में बताया और बताया कि कैसे नौसिखिए व्यापारी सरल चरणों के माध्यम से निर्यात शुरू कर सकते हैं।

उत्तर के क्षेत्रीय निदेशक, संजीव भाटिया ने दर्शकों के सामने परिषद के कार्यों और गतिविधियों को प्रस्तुत किया और बताया कि वे अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनियों में भाग लेने के अपने प्रयासों में परिषद का समर्थन कैसे प्राप्त कर सकते हैं, इसके अलावा सदस्यता लाभ, बी2बी, विदेशी जैसी अन्य गतिविधियों पर प्रकाश डाला गया। प्रतिनिधिमंडल में, उन्होंने परिषद के तीन प्रमुख कार्यक्रमों अर्थात आईआईजेएस प्रीमियर, सिग्नेचर और तृतीया शो पर जोर दिया और मेहमानों को आगामी शो देखने और बूथ भागीदारी के लिए भी आमंत्रित किया। ईसीजीसी शाखा प्रबंधक, श्रीनगर राहुल द्वारा की गई और निर्यातकों की मदद के लिए ईसीजीसी की महत्वपूर्ण नीतियों के बारे में बताया गया। केसीसीआई के अध्यक्ष जावीद अहमद टेंगा ने जीजेईपीसी को धन्यवाद दिया और आधिकारिक धन्यवाद ज्ञापन केसीसीआई के महासचिव फैज बख्शी ने दिया। कश्मीर में पहले आउटरीच कार्यक्रम में आभूषण और हस्तशिल्प क्षेत्र के लगभग 62 व्यापारियों, निर्यातकों की भागीदारी देखी गई।

ऊर्जा का समग्र व ऊर्ध्व रूप हैं मां दुर्गा जिनके सामने नहीं टिक पातीं आसुरी शक्तियां

विश्व में नारी एवं नारी-शक्ति के प्रति जो अवधारणा बनाई गई है, उसके केंद्र में जैविक तथा समाजशास्त्रीय दृष्टि प्रमुख रही है। लेकिन भारतीय दर्शन में नारी-शक्ति के प्रति अवधारणा के केंद्र में प्राकृतिक एवं आध्यात्मिक सिद्धांत बहुत स्पष्ट रूप से दिखाई देते हैं। उपयुक्त होगा कि नवरात्र के इस पावन पर्व पर इस पर थोड़ा विचार कर लिया जाए। हमारे ऋषि-मुनियों ने सबसे पहले पंच-महाभूत (अग्नि, पृथ्वी, जल, आकाश एवं वायु) के रूप में देवों की कल्पना की। बाद में जब उनका ध्यान विशेष रूप से पृथ्वी से उत्पन्न अनाज एवं फलों वाले वृक्षों पर गया, तब उन्होंने पहली बार 'जननी' के अर्थ को महसूस किया होगा। ऋग्वेद में भू-देवी की अवधारणा स्थापित करके स्पष्ट रूप से घोषणा की गई कि 'माता पृथ्वीव्यां पुत्रोऽहं' अर्थात 'पृथ्वी मेरी माता है और मैं इसका पुत्र हूं'। आज भी हमारी परंपरा में ऋग्वेद के इस सूक्त को कई रूपों में लागू किया जा रहा है, जैसे सुबह बिस्तर से उठकर पृथ्वी पर अपने पैर रखने से पहले धरती को प्रणाम करना या घर बनाने से पूर्व भू-पूजन करना। कृषि-काल तक पहुंचते-पहुंचते भारतीय चेतना ने इस बात को अच्छी तरह स्वीकार कर लिया था कि इस पृथ्वी पर जीवन की जो निरंतरता है, वह नारी के कारण ही है। यहीं से नारी-शक्ति के रूप में देवी की कल्पना की जाने लगी। नवदुर्गा की परिकल्पना नारी शक्ति के रूप में सबसे प्राचीन कल्पना है। यहां इस बात को जानना बहुत जरूरी है कि मां दुर्गा की अवधारणा का आधार क्या है? इस मृत्यु-लोक में समय-समय पर आसुरी शक्तियां प्रबल होती रही हैं। इन आसुरी शक्तियों को नष्ट करने में देवता तक स्वयं को असमर्थ पाने लगे थे।

चूंकि पृथ्वी पर जीवन की रक्षा के लिए आसुरी शक्तियों का विनाश आवश्यक हो गया था, इसलिए देवताओं ने इसका एक उपाय निकाला। सभी देवता एक स्थान पर एकत्रित हुए और उन सभी ने अपनी-अपनी सर्वोत्तम शक्तियों को अपने अंदर से निकालकर एक स्थान पर संचित किया। इन सभी देवों की शक्तियों का यह संचयन ही वस्तुतः दुर्गा हैं। इस घटना से इस बात का सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है कि हमारे यहां शक्ति के सर्वोत्तम रूप में नारी की परिकल्पना की गई है। इसी से जुड़ी एक अन्य घटना अर्द्ध-नारीश्वर के रूप में मौजूद है। अर्द्ध यानी कि आधा, नारी यानी कि स्त्री और ईश्वर यानी भगवान। अर्द्ध-नारीश्वर के रूप में भगवान शिव माने गये, जिनका आधा शरीर पार्वती का है। भगवान शिव के इस रूप की व्याख्या भाषा वैज्ञानिक एक अलग रूप में भी करते हैं, जो मूल रूप से इसी अवधारणा को पुष्ट करता है। इनका मानना है कि यदि 'शिव' शब्द से 'इ' की मात्रा हटा दी जाए, तो जो शब्द बनेगा, वह होगा 'शव'। हिंदी व्याकरण में 'इ' की मात्रा स्त्रीलिंग के रूप में प्रयोग में लाई जाती है। इसका अर्थ यह हुआ कि बिना स्त्री के शिव का अस्तित्व शव के समान हो जाता है। नारी शक्ति से जुड़ने के बाद यही शव, शिव के रूप में प्रबल हो उठता है।

भारत ने हमेशा नारी को जीवन की संपूर्णता के एक अंग के रूप में देखा है। भारतीय दर्शन में दो शब्द बहुत प्रमुखता से मिलते हैं-पुरुष और प्रकृति। यहां पुरुष का अर्थ स्पष्ट है। प्रकृति शब्द का संबंध नारी-शक्ति से है। यह बात बहुत स्पष्ट रूप से कही गई है और वैज्ञानिक रूप से पूरी तरह सत्य भी है कि पुरुष और नारी से ही जीवन का सृजन संभव है, साथ ही जीवन का संतुलन भी। भारत में जिस आध्यात्मिकता की बात की जाती है, उसका रहस्य इस संतुलन में ही है। फिर चाहे वह बाहरी संतुलन हो या फिर अंदर का संतुलन।

देवी संबंधी अवधारणा के बिना यह संतुलन संभव नहीं है। कभी-कभी यह सोचकर मन आश्चर्य से भर उठता है कि हमारे पूर्वजों ने दुर्गा मां में जहां एक ओर करुणा और पोषण संबंधी मातृत्व की भावना का चरम देखा, वहीं दूसरी ओर विनाश करने की उनकी शक्ति से परहेज नहीं किया। नवदुर्गा मूलतः मां दुर्गा के ही विभिन्न रूप हैं और इन विभिन्न रूपों को हम ऊर्जा की भिन्न-भिन्न अवधारणाएं कह सकते हैं। महिषासुर का वध कर पाना जब देवों के लिए संभव नहीं हो पाया था, तब उन्होंने शक्ति की आराधना की थी और मां दुर्गा ने ही महिषासुर जैसे राक्षस का वध करके इस पृथ्वी की रक्षा की। अनेक पौराणिक कथाओं में इस तरह की कई घटनाएं पढ़ने को मिलती हैं। रक्तबीज नामक राक्षस को नष्ट करने के लिए यही नारी शक्ति खप्परधारिणी का रूप धारण करती है। देवी के रूप में काली मां के स्वरूप से हम सभी अच्छी तरह परिचित हैं। व्यक्तिगत रूप से मैं मां दुर्गा के अंदर शक्ति की इस अवधारणा के बारे में विचार करके आनंदमिश्रित भाव से विस्मित हो उठता हूं। सामान्यतया यही तथ्य स्थापित है कि नारी शारीरिक शक्ति की दृष्टि से पुरुष की अपेक्षा कमजोर होती है, लेकिन भारतीय विचार इसके विपरीत है। इस बारे में मैं एक नवीन वैज्ञानिक तथ्य प्रस्तुत करना चाहूंगा।

वर्तमान इतिहासकार हरारी ने सही कहा है कि नारी का शारीरिक रूप से कमजोर होने का कारण जैविक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक है। हमारे यहां की सांस्कृतिक दृष्टि नारी को शुरू से ही विलक्षण शक्ति से संपन्न मानती रही है। नवदुर्गा के दिनों को 'नवरात्र' कहने के पीछे भी यही अवधारणा काम करती है। शक्ति अपने-आपमें रहस्यमयी होती है और रात्र (रात्रि का काल) रहस्य से भरा हुआ होता है। शक्ति की उपासना रात्रि जैसे रहस्यमयी वातावरण में ही संभव है। यही कारण है कि हमारे यहां का तंत्र विज्ञान नारी शक्ति से जुड़ा रहा है और इसके चौंसठ योगी न होकर चौंसठ योगिनियां हुई हैं। निश्चित रूप से हम नारी की इस दैवीय अवधारणा को आत्मसात करके अपने जीवन को आध्यात्मिकता की एक नई ऊंचाई प्रदान कर सकते हैं।

संकलन: ज्योति राठौर

पीपल

- अकेला ऐसा पौधा जो दिन और रात दोनों समय आक्सीजन देता है
- पीपल के ताजा 6-7 पत्ते लेकर 400 ग्राम पानी में डालकर 100 ग्राम रहने तक उबालें, ठंडा होने पर पिए ब्रर्तन स्टील और एल्युमिनियम का नहीं हो, आपका ह्रदय एक ही दिन में ठीक होना शुरू हो जाएगा
- पीपल के पत्तों पर भोजन करें, लीवर ठीक हो जाता है
- पीपल के सूखे पत्तों का पाउडर बनाकर आधा चम्मच गुड़ में मिलाकर सुबह दोपहर शाम खायँ, कितना भी पुराना दमा ठीक कर देता है
- पीपल के ताजा 4-5 पत्ते लेकर पीसकर पानी मे मिलाकर पिलाये, 1-2 बार मे ही पीलिया में आराम देना शुरू कर देता है
- पीपल की छाल को गंगाजल में घिसकर घाव में लगाये तुरंत आराम देता है
- पीपल की छाल को खांड (चीनी)मिलाकर दिन में 5-6 बार चूसें, कोई भी नशा छूट जाता है
- पीपल के पत्तों का काढ़ा पिये, फेफड़ों, दिल, अमाशय और लीवर के सभी रोग ठीक कर देता है
- पीपल के पत्तों का काढ़ा बनाकर पियें, किडनी के रोग ठीक कर देता है व पथरी को तोड़कर बाहर करता है
- किंतना भी डिप्रेशन हो, पीपल के पेड़ के नीचे जाकर रोज 30 मिनट बैठिए डिप्रेशन खत्म कर देता है
- पीपल की फल और ताजा कोपले बराबर मात्रा में लेकर पीसकर सुखाकर खांड मिलाकर दिन में 2 बार ले, महिलाओं के गर्भशाय और मासिक समय के सभी रोग ठीक करता है
- पीपल का फल और ताजा कोपले लेकर बराबर मात्रा में लेकर पीसकर सुखाकर खांड मिलाकर दिन में 2 बार ले, बच्चों का तुतलाना ठीक कर देता है और दिमाग बहुत तेज करता है
- किंतना भी पुराना घुटनों का दर्द हो, पीपल के नीचे बैठे 30-45 दिन में सब खत्म हो जाएगा

राशिफल साप्ताहिक

01 से 07 सितम्बर 2024

मेष: यह सप्ताह शुभता और लाभ को लिए है। सप्ताह के प्रारंभ से ही आपको अपने कार्यों में मनचाही सफलता मिलती हुई नजर आएगी। अधिकारी वर्ग के साथ आपकी निकटता बढ़ेगी। नौकरीपेशा लोगों को कार्यक्षेत्र में अनुकूलता बनी रहेगी तो वहीं व्यवसाय से जुड़े लोग अपने कामकाज का विस्तार करने की योजना को अमलीजामा पहनाते हुए नजर आएंगे।

वृषभ: यह सप्ताह गुडलक लिए हुए है। इस सप्ताह आपके सुख, संपत्ति और यश में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में आपको कार्य विशेष के लिए सम्मानित किया जा सकता है। नौकरीपेशा लोगों की मनचाहे स्थान पर तबादले की मनोकामना पूरी होगी। पद में वृद्धि के पूरे योग बन रहे हैं तो वहीं बिजनेस करने वाले लोग किसी बड़े व्यावसायिक अनुबंध को कर सकते हैं।

मिथुन: इस सप्ताह किसी भी काम को जल्दबाजी में करने बचना चाहिए अन्यथा आर्थिक और शारीरिक कष्ट मिल सकता है। नौकरीपेशा लोगों को अपने कार्यक्षेत्र में अपना कार्य किसी दूसरे के भरोसे छोड़ने अथवा उसमें लापरवाही बरतने से बचना चाहिए अन्यथा आप अपने बॉस के गुस्से का शिकार हो सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपके विरोधी सक्रिय रहेंगे।

कर्क: यह सप्ताह मिलाजुला रहने वाला है। यदि आप बेरोजगार हैं और इन दिनों नौकरी के लिए प्रयासरत हैं तो आपको इसे पाने के लिए थोड़ा और इंतजार करना पड़ सकता है। वहीं पहले से कार्यरत लोगों को कार्यक्षेत्र में कुछ परेशानी से जूझना पड़ सकता है।

सिंह: यह सप्ताह थोड़ा परेशानियां और चिंता लिए रह सकता है। सप्ताह के प्रारंभ में नौकरीपेशा लोगों के सिर पर अचानक से कामकाज का अतिरिक्त बोझ आ सकता है। इस दौरान आपको छोटे से छोटे से काम को करने में अतिरिक्त समय लग सकता है। कामकाज के सिलसिले में आपको अधिक भागदौड़ करनी पड़ सकती है।

कन्या: इस सप्ताह अपने सोचे हुए कार्य को समय से पूरा करने में कामयाब होंगे। इस सप्ताह साथी-संगी और परिजन आपके साथ कदम से कदम मिलाकर चलेंगे और लक्ष्य विशेष की प्राप्ति सहायक बनेंगे। सप्ताह के प्रारंभ में किसी मांगलिक अथवा धार्मिक कार्य में सहभागिता के योग बनेंगे। इस दौरान अचानक से किसी तीर्थ विशेष की यात्रा भी संभव है।

तुला: यह सप्ताह बेहद शुभ रहने वाला है। सप्ताह के प्रारंभ में ही आपको कोई बड़ी मनोकामना पूरी हो सकती है। इस दौरान आपको अपने करियर और कारोबार से जुड़ा सुखद समाचार प्राप्त होगा। नौकरीपेशा लोगों की मनचाही जगह पर तबादले अथवा पदोन्नति की कामना पूरी हो सकती है। पदोन्नति से न सिर्फ कार्यक्षेत्र में बल्कि समाज में भी आपका मान-सम्मान बढ़ेगा।

वृश्चिक: इस सप्ताह आलस्य और अभिमान से बचते हुए अपने लक्ष्य की प्राप्ति पर फोकस रखते हैं तो उन्हें मनचाही सफलता मिल सकती है। इस सप्ताह लोगों को मिलाजुलाकर चलना आपके लिए हितकर साबित होगा। आपकी यह मनोकामना इस सप्ताह पूरी हो सकती है। सप्ताह के मध्य में आप सुख-सुविधा से जुड़ा कोई बड़ा समान खरीद सकते हैं।

धनु: इस सप्ताह हारिए न हिम्मत, बिसारिए न रामह्न का मंत्र हमेशा याद रखना होगा क्योंकि इस हफ्ते आपको जीवन से जुड़ी हुई तमाम बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। इस सप्ताह आपके सोचे हुए कार्य थोड़े देरी से पूरे होंगे और उसमें आपको तमाम तरह की अड़चन आ सकती है। परीक्षा-प्रतियोगिता की तैयारी में जुटे छात्रों का मन पढ़ाई से उचट सकता है।

मकर: यह सप्ताह शुभता और लाभ को लिए हुए है। सप्ताह के प्रारंभ में घर-परिवार के किसी प्रिय सदस्य की सफलता से आपके मान-सम्मान और सुख में वृद्धि होगी। घर में धार्मिक एवं मांगलिक कार्य संपन्न होंगे। इस सप्ताह सत्ता-सरकार से जुड़े किसी प्रभावी व्यक्ति की मदद से कोई बड़ा काम पूरा होगा।

कुंभ: इस सप्ताह किसी भी कार्य में शार्टकट लेने और नियम-कानून को तोड़ने से बचना चाहिए अन्यथा उन्हें आर्थिक नुकसान झेलने के साथ शारीरिक एवं मानसिक कष्ट भी झेलना पड़ सकता है। सप्ताह के प्रारंभ में संतान से जुड़ी कोई बड़ी समस्या आपकी चिंता का कारण बनेगी। इस दौरान आपको घर और बाहर अपने प्रियजनों का सहयोग और समर्थन कम मिल पाएगा।

मीन: यह सप्ताह शुभ साबित होगा। इस सप्ताह कार्य विशेष में सफलता पाने के लिए छल-बल आदि सभी चीजों का प्रयोग करेंगे। खास बात यह कि आपके द्वारा किए गये प्रयास सफल भी साबित होंगे। कार्यक्षेत्र में आप पर सीनियर और जूनियर दोनों मेहरबान रहेंगे। इस सप्ताह कारोबार में बड़े आर्थिक लाभ के योग बनेंगे।

मध्य प्रदेश के पर्यटन स्थल

भारत का दिल कहा जाने वाला मध्य प्रदेश अपने पर्यटन स्थलों से भी विश्वभर में प्रसिद्ध है। यहां स्थित कई ऐतिहासिक स्मारक, मंदिर, मस्जिद, किले और महल आदि यहां आने वाले पर्यटकों को अपनी ओर खासा आकर्षित करते हैं। मध्य प्रदेश की यात्रा करना पर्यटक के लिए किसी सपने से कम नहीं होगा, क्योंकि यहां पर कई नेशनल पार्क और वाईल्डलाइफ सेंचुरी भी हैं, जिसमें कई लुप्तप्राय प्रजाति के वनस्पति और जीव पाए जाते हैं। मध्य प्रदेश वो राज्य है, जो देश के बीचों बीच स्थित है। यही कारण है कि, भारत के किसी भी स्थान या विश्व में कहीं से भी भारत आने वाले पर्यटकों को एमपी आना भी बेहद आसान है। हम आपको मध्य प्रदेश के उन टूरिस्ट स्पॉट्स के बारे में बताएंगे, जहां एक बार आने के बाद आपको बार-बार आने के मन करेगा। आइये जानें...

खजुराहो पर्यटन

मध्य प्रदेश में स्थित विश्व प्रसिद्ध खजुराहो, मंदिरों को लेकर विश्वभर में प्रसिद्ध है। यूनेस्कों ने यहां के मंदिरों को वर्ल्ड हेरिटेज में भी शामिल कर रखा है। अपनी कामुक नक्काशी से सजे इन आश्चर्यजनक मंदिरों को विश्वभर में एक अलग ही पहचान प्राप्त है। खजुराहो मध्य प्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र में स्थित बहुत ही खूबसूरत छोटा सा शहर है, जो मध्ययुगकालीन भारतीय वास्तुकला और संस्कृति का शानदार नमूना है। यहां स्थित हिंदू और जैन मंदिरों की वास्तुकला को प्रेम के एक खास रूप को दर्शाया गया है।

बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान

बांधवगढ़ नेशनल पार्क मध्य प्रदेश के सबसे खास पर्यटन स्थलों में से एक है, जो पुराने समय में रीवा के महाराजाओं की शिकारगाह के रूप में पहचाना जाता था। ये राष्ट्रीय उद्यान बाघ अभयारण्य के रूप विश्वभर में प्रसिद्ध है। बांधवगढ़ नेशनल पार्क दुनिया में रॉयल बंगाल टाइगर्स के घनत्व के लिए दुनिया भारत में भी खास पहचान रखता है। ये उद्यान वन्यजीव और बहुतायत में वनस्पतियों से भरा हुआ सुंदर जंगल है। इस पार्क में स्तनधारियों की 22 से ज्यादा और अविफौना की 250 प्रजातियां देखने को मिलती हैं।

ग्वालियर महल पर्यटन

ग्वालियर को मध्य प्रदेश का एक ऐतिहासिक शहर कहा जाता है। इस शहर की स्थापना राजा सूरजसेन द्वारा की गई थी। ग्वालियर अपने किले, स्मारकों, महलों और मंदिरों के लिए विश्वभर में पहचान रखता है। ये शहर चारों तरफ से सुंदर पहाड़ियों और हरियाली से घिरा हुआ है, जो अपने गौरवशाली अतीत को दर्शाता है। ग्वालियर किला शहर का मनोरम दृश्य प्रस्तुत करता है। जय विलास महल और सूर्य मंदिर ग्वालियर के कुछ ऐसे पर्यटन स्थल हैं, जिन्हें देखने के बाद आप इन्हें कभी नहीं भूल सकते। मशहूर शास्त्रीय संगीतकार तानसेन का मकबरा भी इसी शहर में स्थित है। हर साल नवंबर और दिसंबर माह में शहर में चार दिवसीय तानसेन संगीत उत्सव भी यहां आयोजित किया जाता है।

सांची पर्यटन

सांची मध्य प्रदेश में बौद्ध धर्म के दर्शनीय स्थलों में से एक, भारत में सबसे पुराने पत्थर संरचनाओं के लिए प्रसिद्ध है। सांची में स्थित बौद्ध स्मारक सांस्कृतिक रूप से समृद्ध भारत में मौजूद विशाल धरोहर का प्रतीक है। यहां स्थित महान स्तूप को तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व में मौर्य वंश के सम्राट अशोक द्वारा स्थापित किया गया था। सांची में स्थित स्तूपों को भगवान बुद्ध और कई महत्वपूर्ण बौद्ध अवशेषों के घरों के रूप में बनाया गया था। ये स्थान हरे भरे बागानों से घिरा हुआ है, जो यहां आने वाले पर्यटकों को एक अलग प्रकार का आनंद और शांति महसूस कराता है।

ओरछा पर्यटन

ओरछा मध्य प्रदेश में घूमने के लिए अच्छी जगहों में से एक है। बेतवा नदी के तट पर स्थित यह शहर अपने किले, मंदिरों और महलों के लिए जाना-जाता है। ओरछा किला अपने आकर्षण के लिए देश भर में प्रसिद्ध है, जो यहां आने वाले पर्यटकों को अपनी ओर खासा आकर्षित करता है। इसके अलावा चतुर्भुज मंदिर, राज मंदिर और लक्ष्मी मंदिर ओरछा के मुख्य आकर्षण हैं जो यहां आने वाले लोगों की यात्रा को यादगार बनाते हैं।

मांडू पर्यटन

मध्य प्रदेश के सबसे खास पर्यटन स्थलों में अपनी एक अलग पहचान रखने वाला मांडू विश्वभर के चुंनिंदा पर्यटन स्थलों में अपनी पहचान रखता है। ये पूर्वजों ने हासिल वास्तु उत्कृष्टता का प्रतीक है। ये शहर राजकुमार बाज बहादुर और रानी रूपमती के सच्चे प्यार को को भी दशार्ता है। बता दें कि, मांडू भारत का सबसे पुराना निर्मित स्मारक भी है, जो काफी प्रसिद्ध है।

पचमढ़ी पर्यटन

प्रकृति प्रेमियों के लिये मध्य प्रदेश का पचमढ़ी सबसे बढ़िया स्थान है। समुंदरी तल से 1 हजार 067 फीट की ऊंचाई पर स्थित मध्य प्रदेश का ये हिल स्टेशन सतपुड़ा पर्वतमाला की रानी के रूप में जाना जाता है। पचमढ़ी मध्य प्रदेश का प्रमुख पर्यटक स्थल है, जो चीन गुफाओं और सुंदर स्मारकों जैसे असंख्य आकर्षणों से भरा हुआ है। अगर आप मध्य प्रदेश में घूमने की सबसे अच्छी जगह खोज कर रहे हैं, तो पचमढ़ी का चयन आपका जरा भी निराश नहीं करेगा।

भीमबेटका की गुफाये

मध्य प्रदेश में स्थित भीमबेटका रॉक शेल्टर एक पुरातात्विक स्थल है, जो भारतीय उपमहाद्वीप पर मानव जीवन की शुरूआती जीवन के निशानों को दशार्ता है। इतिहास प्रेमियों के लिए भीमबेटका किसी स्वर्ग से कम नहीं है। बता दें कि, यहां 500 से ज्यादा रॉक शेल्टर और एतिहासिक गुफाएं मौजूद है, जिनमें बड़ी संख्या में पेंटिंग हैं। इनमें बने सबसे पुराने चित्रों को 30 हजार साल पुराना माना जाता है, लेकिन कुछ आंकड़े इन्हें मध्ययुगीन काल का बताते हैं।

क्या है डिस्टोनिया

एक्सपर्ट से जानें इस बीमारी के प्रकार के साथ लक्षणों व उपचार के बारे में

डिस्टोनिया एक ऐसी प्रॉब्लम है जिसमें मसल्स में बहुत अधिक खिंचाव और सिकुड़न होने लगती है। इसकी वजह से प्रभावित अंग की बनावट में भी फर्क आने लगता है। डिस्टोनिया शरीर की एक नस या फिर बहुत सारी मांसपेशियों पर भी एक साथ अटैक कर सकती है तो क्यों होती है ये समस्या क्या है इसके लक्षण आइए जानते हैं इस बारे में।

डिस्टोनिया एक न्यूरोलॉजिकल मूवमेंट डिसऑर्डर है, जिसमें मांसपेशियों में बहुत ज्यादा खिंचाव होता है और वो सिकुड़ने लगती हैं। शरीर के जिन अंगों में खिंचाव और सिकुड़न होता है उनकी बनावट बदलने लगती है। डिस्टोनिया शरीर के किसी भी हिस्से में, हल्का या गंभीर रूप से हो सकता है। यह आमतौर पर शरीर के एक हिस्से में शुरू होता है और धीरे-धीरे बाकी हिस्सों में फैलने लगता है। महिलाओं में पुरुषों की अपेक्षा इसके होने की ज्यादा संभावना होती है।

डिस्टोनिया के प्रकार

तथ्यों के आधार पर डिस्टोनिया को अलग-अलग भागों में बांटा गया है। जिनमें शरीर का प्रभावित अंग, शुरूआत की उम्र और इसका प्राइमरी (इडियोपैथिक) या सेकंडरी (मौजूदा स्थिति के कारण होने वाला) स्वरूप आदि शामिल किए जा सकते हैं। जिनमें से कुछ इस प्रकार हैं-

1. फोकल डिस्टोनिया

यह कुछ खास अंगों पर ही असर डालता है, जैसे - गर्दन (सर्वाइकल डिस्टोनिया या टोर्टिकोलिस), मुंह (ब्लेफैरोस्पास्म), वोकल कॉर्ड्स (स्पास्मोडिक डिस्टोनिया) या हाथ (राइटर्स क्रैंप)।

2. सेगमेंटल डिस्टोनिया

यह एकदम आसपास के अंगों को प्रभावित करता है।

3. जनरलाइज्ड डिस्टोनिया

यह कई अंगों पर असर डालता है, जिसमें अक्सर बांहें और धड़ शामिल होते हैं।

4. हेमीडिस्टोनिया

यह शरीर के एक तरफ के हिस्से को प्रभावित करता है।

5. मल्टीफोकल डिस्टोनिया

इसमें दो या ज्यादा ऐसे अंग प्रभावित होते हैं, जो आसपास स्थित नहीं हों।

6. डिस्टोनिया-प्लस सिंड्रोम

अन्य न्यूरोलॉजिकल समस्याओं के साथ होने वाला डिस्टोनिया, डिस्टोनिया-प्लस सिंड्रोम कहलाता है। इन अन्य समस्याओं में पार्किंसन या मायोक्लोनस जैसी बीमारियां शामिल हो सकती हैं।

डिस्टोनिया का इलाज

डिस्टोनिया के इलाज में लक्षणों को दूर करने पर ध्यान दिया जाता है। इसके अलावा, कार्य करने की क्षमता सुधारने और मरीज की लाइफ क्वॉलिटी बेहतर करने की कोशिश भी की जाती है। डिस्टोनिया के प्रकार और गंभीरता के अनुसार इलाज की योजना बनाई जाती है।

1. दवाइयां:

मांसपेशियों को आराम देने वाली दवाइयां, बोटूलिनम टॉक्सिन इंजेक्शन (बोटोक्स) और एंटीकोलिनेरजिक दवाइयां मांसपेशियों में ऐंठन कम करने में मदद कर सकती है, जिससे मांसपेशियों पर नियंत्रण भी सुधरता है।

2. शारीरिक उपचार:

स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज, रेंज ऑफ मोशन एक्सरसाइज और विभिन्न मुद्राओं को लेकर दिए जाने वाले ट्रेनिंग से डिस्टोनिया के लक्षणों को कंट्रोल करने में मदद मिल सकती है, जिससे मांसपेशियों के स्थायी रूप से छोटा हो जाने जैसी जटिल स्थितियों से बचा जा सकता है।

3. बोटूलिनम टॉक्सिन इंजेक्शन:

बोटोक्स इंजेक्शन से अक्सर फोकल डिस्टोनिया का सफल इलाज किया जाता है। इस इंजेक्शन के असर से मांसपेशियों में सिकुड़न लाने वाले नसों के संकेतों को रोक दिया जाता है।

4. डीप ब्रेन स्टीमुलेशन (डीबीएस):

गंभीर मामलों में, डीबीएस के अंतर्गत, सर्जरी करके ब्रेन में इलेक्ट्रोड्स लगाए जाते हैं, जिससे ब्रेन की असामान्य गतिविधि को नियंत्रित किया जा सके और डिस्टोनिया के लक्षण कम हो सकें।

5. सर्जरी:

कुछ मामलों में, डिस्टोनिया के लक्षण दूर करने या इसका कारण बनने वाली शारीरिक संरचनाओं में सुधार के लिए सर्जरी की जाती है।

6. जीवनशैली में बदलाव:

तनाव से राहत, नियमित व्यायाम और पर्याप्त नींद से अच्छी सेहत और संपूर्ण कल्याण में मदद मिलती है, जिससे डिस्टोनिया के लक्षण दूर किए जा सकते हैं।

7. सहयोगी चिकित्सा:

स्पीच थेरेपी, ऑक्युपेशनल थेरेपी और साइकोलॉजिकल काउंसिलिंग से मरीज को भावनात्मक और शारीरिक चुनौतियों से निपटने में मदद मिल सकती है।

डिस्टोनिया से पीड़ित लोगों के लिए जरूरी है कि वे हेल्थकेयर टीम के साथ मिलकर काम करें। इस टीम में न्यूरोलॉजिस्ट्स और मूवमेंट डिसऑर्डर स्पेशलिस्ट्स शामिल होते हैं। इनके सहयोग से इलाज की संपूर्ण योजना तैयार की जा सकती है, जिससे संबंधित मरीज की विशेष जरूरतों और लक्ष्यों को पूरा किया जा सकता है। इसके बाद नियमित रूप से हेल्थकेयर प्रोफेशनल से संपर्क रखना और इलाज की योजना का पूरी तरह पालन करना, सर्वश्रेष्ठ परिणाम पाने के लिए जरूरी हो सकता है।

डिस्टोनिया के लक्षण

डिस्टोनिया के लक्षण बहुत हद तक इस बीमारी के प्रकार और गंभीरता पर निर्भर करते हैं। इसके आम लक्षण कुछ इस तरह हो सकते हैं :

- **गले में खिंचाव**
- **बोलने में परेशानी**
- **बहुत ज्यादा पलकें झपकना**
- **पैर में मोच आना**
- **कंपकंपी**

हैल्थ अलर्ट — उपयोगी घरेलू नुस्खे

- घाव न पके, इसलिए गर्म मलाई (जितनी गर्म सहन कर सकें) बांधें।
- तुतलापन दूर करने के लिए रात को सोने से पांच मिनट पूर्व दो ग्राम भुनी फिटकरी मुंह में रखें।
- बच्चों का पेट दर्द होने पर अदरक का रस, पांच ग्राम तुलसी पत्र घोटकर, औटाकर बच्चों को तीन बार पिलाएं।
- सर्दियों में बच्चों की सेहत के लिए तुलसी के चार पत्ते पीसकर 50 ग्राम पानी में मिलाएं और सुबह के समय पिलाएं।
- आमाशय का दर्द होने पर तुलसी पत्र को चाय की तरह औटाकर सुबह-सुबह लेना लाभदायक है।
- सीने में जलन हो तो पाव भर ठंडे जल में नींबू निचोड़कर सेवन करें।
- शराब ज्यादा पी ली हो तो छह माशा फिटकरी को पानी/दूध में मिलाकर पिला दें या दो सेबों का रस पिला दें।
- अरहर के पत्तों का रस पिलाने से अफीम का नशा कम हो जाता है।
- आधी छटांक अरहर दाल पानी में उबालकर उसका पानी पिलाने से भांग का नशा कम हो जाता है।
- केला हजम करने के लिए दो छोटी इलायची काफी होती हैं।
- आम ज्यादा खा लिए हों तो हजम करने के लिए थोड़ा-सा नमक सेवन कीजिए।
- मुंह से बदबू आने पर मोटे अनार का छिलका पानी में उबालकर कुल्ला करें।
- मछली का कांटा यदि गले में फंस जाए, तो केला खाएं।
- हिचकी आने पर पुदीने के पत्ते या नींबू चूस लें।
- वजन घटाने के लिए गर्म जल में शहद व नींबू मिलाकर सेवन करें।
- कान/दांत दर्द, खांसी व अपचन में जीरा व हींग 1/1-2 मात्रा में सेवन करें।
- जख्मों पर पड़े कीड़ों का नाश करने के लिए हींग पाऊडर बुरक दें।
- दाढ़ दर्द के लिए हींग रूई के फाहे में लपेटकर दर्द वाली जगह पर रखें।
- शीत ज्वर में ककड़ी खाकर छाछ सेवन करें। शराब की बेहोशी में ककड़ी सेवन कराएं।

सर्वप्रिय, सर्वग्राही, सर्वव्यापी यशस्वी डॉ. मुंजाल एक श्रद्धांजलि

- डॉ. अनिल चतुर्वेदी

मंतजर नहीं मशालों का
खुद ही खुद रोशन रहा हूँ मैं
सिर्फ इतना गुनाह मेरा
हर दम हर दिल अजीज इंसान रहा हूँ मैं

जिस हर दिल इंसान, व्यक्तित्व की बात मैं कर रहा हूँ , दुनिया उसे डॉ. यशपाल मुंजाल के नाम से जानती है। एक योग्य चिकित्सक, कुशल प्रशासक वक्ता, संगठन कौशल के स्वामी एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष रहे, डॉ. मुंजाल बहुंमुखी प्रतिभा के धनी थे। मेरा उनसे परिचय मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज में सन 1963 में हुआ, जब वह कॉलेज की वार्षिक वाद-विवाद प्रतियोगिता में द्वितीय आए। उस समय प्रतियोगिता केवल अंग्रेजी में होती थी। प्रथम आए डॉ. कस्तूरी नंदन, जो उनसे एक साल सीनियर थे। मैंने डॉ. मुंजाल से पूछा, 'क्या यहाँ अंग्रेजी में ही वार्षिक प्रतियोगिता होती है, हिंदी में नहीं होती?' उन्होंने कहा, 'तुम्हें हिंदी में वाद-विवाद प्रतियोगिता में भाग लेना हैं?' मैंने कहा, 'जी सर।' उन्होंने तुरंत ही कॉलेज की प्रिंसिपल कर्नल बी. एल. तनय से संपर्क किया और अगले वर्ष ही कॉलेज में हिंदी वाद-विवाद प्रतियोगिता शुरू हो गई तथा मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज से हिंदी वाद-विवाद प्रतियोगिता। डॉ. मुंजाल प्रयास करते थे, वह वाद-विवाद प्रतियोगिता में हिंदी कार्यकर्ता में विराजमान रहते थे।

उत्तर भारत में ए.पी.ई. के अनेक सदस्यों को जोड़कर अंत में 1999 में अखिल भारतीय के ए.पी.ई. के अध्यक्ष बन गए। तब तक ए.पी.ई. के लिए पूर्णरूप से समर्पित हो चुके थे, उनकी प्राथमिकता उनकी प्रसन्नता उनकी पारदर्शी और प्रार्थना केवल उनकी ए. पी. ई. के लिए ही थी, वह ए.पी.ई. के लिए पूर्णरूप से पर्याय बन चुके थे। वह ऐसे सारथी थे, जिन्होंने नए प्रतिभा को तलाशा तपाया और तराशा, ताकि वो अपनी योग्यता की प्रतिभा के अनुकूल ए.पी.ई. संचालन में अपना योगदान दे सके। ए.पी.आई. के अलगाव भटगाँव से हटा करके एक सद्भाव द्वारा ही अपनी धाक जमाई, ए.पी.आई. में उनकी तूती बोलती थी, वे श्रद्धा समन्वय सदस्य के पात्र थे।

खेमों में बंटे लोग दिल जोड़ देते हैं,
हकीकत में भी रिश्तों को पीछे छोड़ देते हैं

डॉ. मुंजाल ए.पी.आई. में आखिरी साँस तक ऐसे ही फरिश्ते रहे, जिनसे दो विरोधी गुट सदस्य भी हमेशा सलाह के लिए तुरंत तैयार हो जाते थे, दो विरोधियों को पास बिठाकर बातचीत द्वारा समस्या का तुरंत समाधान करते थे, वह सबकी सुनते, कम बोलते, लेकिन उनका एक ब्रह्म वाक्य अंतिम निर्णय होता था। मेरा सौभाग्य रहा, मैं उनके आत्मीयता आस्था का पात्र रहा, मैं व्यासायिक जीवन में कभी डगमगाता भटकता तो सहारा देकर मेरे मार्ग की बाधाओं को दूरकर देते थे, परम-परमात्मा ने उन्हें दिव्य दृष्टि प्रदान की थी उन्हें पहले ही आभास हो जाता था मैं संकट में हूं, तुरंत ही फोन करते हैं और हर संभव सहायता करते और समस्या का समाधान करते हैं, एस्कॉर्ट हार्ड कॉन्सेप्ट मैंने जब काम किया, क्योंकि एस्कॉर्ट ... चांदी वाला लगभग 1 किलोमीटर अंतराल पर ही थे, मेरा उनसे मिलना लगभग .... शनिवार को ही रहता था। उन्हें कहीं से पता चल गया कि मैंने एस्कॉर्ट छोड़ दिया है फोन आया अनिल तू कहाँ है, मैंने कहा सड़क पर हूँ , अरे मेरे रहते तू सड़क पर कहाँ और कैसे उन्हें तुरंत बुलाया और बोले तुम उदभट तो हो, लेकिन मुँहफट भी हो और उन्होंने मुझे लेकर एक शेर सुनाया आज के इस दौर में कोई ना मुँह खोल रहा है तो यह कपड़े है ... तू सच बोल रहा है, उन्होंने मुझे पाठ पढ़ाया जीवन में हम प्रोफेशन लोगों को इस स्थायित्व बहुत जरूरी है तभी हम अपने रोगी के साथ लंबे समय तक जुड़े रहेंगे। यह मेरा सौभाग्य रहा कि मुझे आजीवन उनका सान्निध्य मिलता रहा उनकी यशगाथा में उनके परिवार का योगदान भी अप्रतिम है। विशेषकर उनकी पत्नी रमा मुंजाल का तप, तपस्या व त्याग है उन्हें उनकी मंजिल तक पहुंचाया। श्रीमती रमा मुंजाल के लिए इतना ही कहूंगा:

नारी! तुम केवल श्रद्धा हो
विश्वास-रजत-नग पगतल में
पीयूष-स्रोत-सी बहा करो
जीवन के सुंदर समतल में

ग्रेटर नोएडा में होगा अफगानिस्तान-न्यूजीलैंड के बीच टेस्ट मैच

॥ पुलकित चतुर्वेदी ॥

उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में बने शहीद विजय सिंह पथिक स्टेडियम में 9 सितंबर से 13 सितंबर तक अफगानिस्तान और न्यूजीलैंड की टीमों के बीच टेस्ट मैच खेला जाएगा। इसके लिए अफगानिस्तान की टीम भारत पहुंच चुकी है। वहीं न्यूजीलैंड की टीम 5 सितंबर को भारत पहुंचेगी। इन टीमों की सुरक्षा व्यवस्था का जिम्मा पुलिस कमिश्नरेट गौतमबुद्ध नगर के ऊपर है जिसको देखते हुए 600 पुलिस कर्मियों की तैनाती की जाएगी।

पुलिस कमिश्नरेट गौतमबुद्ध नगर से मिली जानकारी के मुताबिक, स्टेडियम में मैच से पहले दोनों टीमें 6 सितंबर से 8 सितंबर तक प्रैक्टिस करेंगी जिसको देखते हुए कार्यक्रम में सुरक्षा के दृष्टिगत कड़े प्रबंध किये गये हैं। इसमें यातायात, मार्ग व्यवस्था, पार्किंग, प्रवेश द्वार, वीआईपी भ्रमण, दर्शक दीर्घा पवेलियन तथा ग्राउंड एरिया आदि जोनों में अलग-अलग अधिकारियों की ड्यूटियां लगायी गयी हैं।

जानकारी के मुताबिक, दर्शक दीर्घा में सिटिंग जोन में वीआईपी, वीवीआईपी तथा छह सामान्य सेक्टर बनाये गये हैं। खिलाडियों की सुरक्षा, प्रैक्टिस तथा मार्ग व्यवस्था, सुरक्षा आवागमन के लिए भी पर्याप्त पुलिस प्रबन्ध किया गया है। इसके साथ ही कन्ट्रोल रूम की स्थापना की गयी है। लगभग 600 पुलिसकर्मी ड्यूटी पर लगाये गये हैं। सभी को दंगा नियंत्रण उपकरण से लैस किया गया है।

इस व्यवस्था में चार एसीपी, दो एडीसीपी और एक डीसीपी लगाए गए हैं। पूरे एरिया को जोन और सेक्टरों में विभाजित कर एक सुदृढ सुरक्षा-व्यवस्था सुनिश्चित की गयी है तथा मैच को शान्ति पूर्ण सफल तरीके से सम्पन्न कराया जा सके। पुलिस की तरफ से यातायात व्यवस्था को देखते हुए भी जल्द ही ट्रैफिक प्लान और डायवर्जन प्लान जारी किया जाएगा। स्टेडियम के आसपास तीन लेयर की सुरक्षा की व्यवस्था भी की गई है। सीसीटीवी और आसपास लगे अन्य कैमरा के जरिए निगरानी भी रखी जाएगी।

पेरिस पैरालंपिक 2024
मोदी ने अवनि और मोना को पदक जीतने पर दी बधाई

पेरिस पैरालंपिक 2024 में भारत की निशानेबाज अवनि लेखरा ने कमाल किया है। उन्होंने महिलाओं की स्टैंडिंग 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा एसएच-1 में भारत के लिए गोल्ड मेडल जीतकर इतिहास रच दिया है। इसके अलावा इसी इवेंट में भारत की एक और पैरा शूटर मोना अग्रवाल ने ब्रॉन्ज मेडल जीता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की बेटी अवनि लेखरा और मोना अग्रवाल के पदक जीतने पर बधाई दी।

पीएम मोदी ने अवनि लेखरा को बधाई देते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट में लिखा, "भारत ने पैरालंपिक 2024 में अपना पदक खाता खोला! आर 2 महिला 10 मीटर एयर राइफल एसएच 1 इवेंट में स्वर्ण जीतने के लिए अवनि लेखरा को बधाई। उन्होंने इतिहास भी रच दिया है क्योंकि वह 3 पैरालंपिक पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला एथलीट हैं। उनका समर्पण भारत को गौरवान्वित करता है।"

पीएम मोदी ने मोना अग्रवाल के ब्रॉन्ज मेडल जीतने पर 'एक्स' पोस्ट में लिखा, "पेरिस पैरालंपिक 2024 में आर2 महिला 10 मीटर एयर राइफल एसएच 1 स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने पर मोना अग्रवाल को बधाई! उनकी उल्लेखनीय उपलब्धि उनके समर्पण और उत्कृष्टता की खोज को दशार्ती है। भारत को मोना पर गर्व है।"

अवनि लेखरा ने पैरालंपिक रिकॉर्ड के साथ गोल्ड मेडल अपने नाम किया है। इसी इवेंट में भारत की मोना अग्रवाल ने ब्रॉन्ज मेडल जीता है। इसके साथ दो पदकों के साथ ही मौजूदा पैरालंपिक गेम्स में भारत का खाता भी खुल गया है।

फाइनल में, अवनि ने टोक्यो खेलों में बनाए गए अपने पिछले रिकॉर्ड को बेहतर करते हुए आठ खिलाड़ियों की स्पर्धा में शीर्ष स्थान हासिल किया। इस कैटेगरी में उन्होंने 249.7 अंकों के साथ नया पैरालंपिक रिकॉर्ड बनाया। उनका पिछला सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन टोक्यो पैरालंपिक में 249.6 था।

मोना ने कुल 228.7 के साथ तीसरे स्थान पर रहकर इस स्पर्धा में कांस्य पदक जीता और मेडल टैली में भारत का खाता खोला।

अवनि लेखरा ने टोक्यो 2020 पैरालंपिक में इतिहास रचा था, जब वह पैरालिंपिक के एकल संस्करण में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनी थीं। उन्होंने टोक्यो पैरालिंपिक में एसएच1 श्रेणी में 10 मीटर एयर राइफल में स्वर्ण और 50 मीटर राइफल थ्री-पोजीशन में कांस्य पदक जीता था। अब पैरालंपिक में उनके कुल पदकों की संख्या तीन हो चुकी है।

अल्काराज दूसरे राउंड में हारकर यूएस ओपन से बाहर

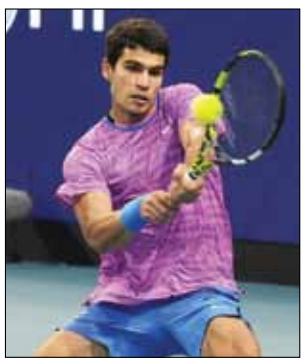

दुनिया के तीसरे नंबर के खिलाड़ी और पूर्व चैंपियन कार्लोस अल्काराज यूएस ओपन के राउंड 2 में डच खिलाड़ी बोटिक वान डी जैंडस्कूल्प के हाथों अप्रत्याशित हार झेलकर टूनार्मेंट से बाहर हो गए।

21 वर्षीय अल्काराज की दुनिया के 74वें नंबर के डचमैन से 6-1, 7-5, 6-4 से हार लगातार चार साल के फ्लशिंग प्रदर्शन में उनका सबसे खराब प्रदर्शन था क्योंकि इसने ग्रैंड स्लैम स्पधाओं में स्पैनियार्ड की 15 मैचों की जीत का सिलसिला तोड़ दिया।.

विंबलडन 2021 के बाद से अल्काराज को किसी मेजर टूनार्मेंट के दूसरे दौर में पहली हार का सामना करना पड़ा। विंबलडन 2021 में तत्कालीन विश्व नंबर 75 अल्काराज दूसरे वरीय दानिल मेदवेदेव से हार गए थे। 15 बार के टूर-स्तरीय टाइटललिस्ट ने 27 अप्रत्याशित गलतियाँ कीं, जिनमें से 12 उसके फोरहैंड पर आईं, कई बड़ी दूरी से चूक गईं।

शुरूआती सेट के दूसरे गेम में, खिलाड़ी दो लंबी रैलियों में लगे रहे, जिसमें कई नेट रश, चक्करदार लोब और यहां तक कि एक ट्विनर भी शामिल था। वान डी जैंडस्कूल्प ने अल्काराज की सर्विस पर अपने पहले ब्रेक प्वाइंट का फायदा उठाया, ब्रेक को मजबूत किया और तेजी से 4-1 की बढ़त ले ली। वान डी जैंडस्कूल्प ने अपना धैर्य बनाए रखा और पहला सेट 6-1 से जीत लिया।

अल्काराज ने दूसरे सेट की शुरूआत करने के लिए अपनी सर्विस बरकरार रखी। डचमैन ने इसी तरह से जवाब दिया। लेकिन स्पैनियार्ड अपने प्रतिद्वंद्वी को नुकसान पहुंचाने में सक्षम नहीं थे। उन्होंने मैच में उस समय तक 12 अप्रत्याशित त्रुटियों और केवल तीन विनर्स के साथ एक बार फिर सर्विस गंवा दी।

प्रतियोगिता के 30 मिनट के निशान पर, अल्काराज अंततः ब्रेक हासिल करने में सफल रहे और दूसरे सेट को 2-2 से बराबर कर लिया। कुछ उतार-चढ़ाव भरे गेम्स के बाद, वह 5-5 पर सर्विस करने के लिए आगे बढ़े। उन्होंने फोरहैंड की तीन गलतियाँ कीं और एक डबल फॉल्ट भी किया तथा अपनी सर्विस गंवा दी। डचमैन ने अपनी सर्विस बरकरार रखी और दूसरा सेट 7-5 से जीत लिया।

दो सेट से पिछड़ने के बाद अल्काराज ने सर्विस गंवा दी और तीसरे सेट में 3-2 से पिछड़ गए। लेकिन फिर वान डी जैंडस्कूल्प ब्रेक को मजबूत करने में विफल रहे, डबल फॉल्ट (मैच में उनका सातवां) मारकर गेम हार गए।

सेट को 4-4 से बराबर करने के लिए, डचमैन ने एस मारा और एक बार फिर अल्काराज की सर्विस पर दबाव बना दिया। जैसे ही मैच दो घंटे और 15 मिनट का हो गया, डचमैन ने इसे पूरा करने के लिए खुद को तैयार कर लिया। एक मिनट के समय में, वह 40-0 पर सर्विस कर रहे थे । वह सर्विस वापस नहीं आई और वान डी जैंडस्कूल्प ने सेट 6-4 से और मैच जीत लिया। वर्ल्ड नंबर 3 को हराकर, वान डी जैंडस्कूल्प ने अपने करियर की सर्वोच्च रैंकिंग वाली जीत हासिल की।

अल्काराज , जिन्होंने 2022 में एक किशोर के रूप में यहां खिताब जीता था, 2021 में अपने पदार्पण के बाद से हर साल कम से कम क्वार्टरफाइनल तक पहुंचे थे। पिछले साल, वह 20 साल की उम्र में नंबर 1 सीड के रूप में सेमीफाइनल में पहुंचे, जो टूनार्मेंट के इतिहास में सबसे कम उम्र के टॉप सीड थे।

28 वर्षीय डचमैन के न्यूयॉर्क में पिछले प्रदर्शन मजबूत रहे हैं, 2021 में क्वार्टर फाइनल मैच खेलने के लिए क्वालीफायर के जरिये पहुंचे थे।

उत्तराखंड में आयोजित होने वाले 38वें राष्ट्रीय खेलों की वेबसाइट लॉन्च

फोटो : जगन नेगी

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने यहां परेड ग्राउंड में हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद के जन्मदिन और खेल दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश में आयोजित होने वाले 38वें राष्ट्रीय खेलों की वेबसाइट का शुभारंभ किया। उन्होंने पेरिस ओलंपिक-2024 में देश का प्रतिनिधित्व करने वाले राज्य के चार खिलाड़ियों लक्ष्य सेन, परमजीत सिंह, सूरज पंवार और अंकिता ध्यानी को 50-50 लाख रुपये के चेक प्रदान किये।

कार्यक्रम में राज्य के खिलाड़ियों को एक ही स्थान पर अपना पंजीकरण करने एवं उपलब्धियां दर्ज करने के उद्देश्य से यूकेएसआरएस पोर्टल भी लॉन्च किया गया। मुख्यमंत्री ने उदीयमान खिलाड़ी उन्नयन योजना के 3,900 खिलाड़ियों को कुल 58 लाख 50 हजार रुपये की छात्रवृत्ति वितरित की। इसके साथ ही 269 राष्ट्रीय, 58 अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों एवं 65 ट्रेनरों समेत कुल 392 लोगों को डीबीटी के माध्यम से सात करोड़ चार लाख रुपये की धनराशि हस्तांतरित की। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज, देहरादून के छात्रों हेतु खेल गतिविधियों से जुड़ी स्नातक कक्षाओं को भी प्रारंभ किया जाएगा। जिसे निमार्णाधीन खेल विश्वविद्यालय के साथ जोड़ा जायेगा।

"मुख्यमंत्री प्रोत्साहन योजना" के अंतर्गत चयनित 2,600 खिलाडियों में से 10 प्रतिशत का उनके प्रदर्शन के आधार पर चयन कर विशेष प्रशिक्षण दिये जाने की व्यवस्था की जाएगी। भारत सरकार के खेल मंत्रालय द्वारा संचालित टारगेट ओलम्पिक पोडियम योजना की भांति राज्य सरकार द्वारा भी टारगेट इंटरनेशनल पोडियम योजना संचालित की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश भर में खेल एवं खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने हेतु हर स्तर पर अभिनव प्रयास किए जा रहे हैं। देश के हर खिलाड़ी को प्रोत्साहित करने के लिए प्रधानमंत्री निरंतर उनसे संवाद करते हैं। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश में खेल के लिए मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किया गया है।

राहुल द्रविड़ के बेटे समित को मिली भारतीय अंडर-19 टीम में जगह

टीम इंडिया के पूर्व दिग्गज खिलाड़ी और पूर्व कोच राहुल द्रविड़ का एक बड़ा सपना आज पूरा हो गया। उनके बेटे समित द्रविड़ को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज और 4 दिवसीय मैच के लिए भारतीय अंडर-19 टीम में शामिल किया गया है।

ऑलराउंडर समित द्रविड़ को भारतीय अंडर-19 टीम में पहली बार जगह मिली है। वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सितंबर और अक्टूबर में मल्टी-फॉर्मेट घरेलू सीरीज खेलते नजर आएंगे। उत्तर प्रदेश के मध्यक्रम के बल्लेबाज मोहम्मद अमान को 50 ओवर टीम का कप्तान बनाया गया है, जबकि मध्य प्रदेश के सोहम पटवर्धन चार दिन के मैचों के कप्तान होंगे। राहुल द्रविड़ के बेटे समित फिलहाल कर्नाटक के महाराज टी20 ट्रॉफी मैसूरू वॉरियर्स टीम का हिस्सा हैं।

समित द्रविड़ ने 114 के स्ट्राइक रेट से इस सीजन में 82 रन बनाए हैं, हालांकि उन्हें अपनी मध्यम तेज गेंदबाजी को दिखाने का मौका नहीं मिला है। अब मैसूरु वॉरियर्स को सेमीफाइनल मैच खेलना है।

इंडिया अंडर-19 टीम पुडुचेरी में 21, 23 और 26 सितंबर को तीन 50 ओवर मैच खेलेगी। इसके बाद टीम चार-दिवसीय दो मैचों के लिए चेन्नई रवाना होगी, जहां पर 30 सितंबर और सात अक्टूबर को मैच शुरू होंगे।

50-ओवर मैचों के लिए भारतीय अंडर-19 दल : मोहम्मद अमान (कप्तान), रूद्र पटेल (उपकप्तान), साहिल परख, कार्तिकेय केपी, किरण चोरमाले, अभिज्ञान कुंडु, हरवंश सिंह पंगालिया, समित द्रविड़, युधजीत गुहा, समर्थ एन, निखिल कुमार, चेतन शर्मा, हार्दिक राज, रोहित रजावत, मोहम्मद इनान

चार-दिवसीय मैचों के लिए भारतीय अंडर-19 दल : सोहम पटवर्धन (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, नित्या पांडे, विहान मल्होत्रा, कार्तिकेय केपी, समित द्रविड़, अभिज्ञान कुंडु, हरवंश सिंह पंगालिया, चेतन शर्मा, समर्थ एन, आदित्य रावत, निखिल कुमार, अमोलजीत सिंह, आदित्य सिंह, मोहम्मद इनान

क्या पोर्न में प्रवेश करना चाहती है: उर्फी जावेद

बिग बॉस ओटीटी की पूर्व प्रतियोगी और फैशनिस्टा उर्फी जावेद, जो अपने शो फॉलो कार्लो यार के प्रमोशन में व्यस्त हैं, ने हाल ही में रेडिट पर अपने प्रशंसकों से बातचीत की। एएमए सत्र के दौरान, उन्होंने अपने निजी जीवन के बारे में कुछ सवालों के जवाब दिए और अपनी भविष्य की योजनाओं के बारे में भी बताया। उर्फी के स्पष्ट, ईमानदार और मजाकिया जवाब इस समय लोगों का ध्यान खींच रहे हैं।उर्फी ने ओनलीफैंस पर अपनी मौजूदगी या एक दिन के लिए भारत की प्रधानमंत्री बनने की अपनी काल्पनिक योजनाओं के बारे में भी चर्चा की।

सत्र के दौरान, एक रेडिट यूजर ने उर्फी से ओनलीफैंस पर होने और क्या वह पोर्न में कदम रखना चाहेंगी, के बारे में पूछा। यूजर को जवाब देते हुए, सोशल मीडिया सनसनी ने लिखा, "मुझे ओनलीपैप्स चाहिए।"एक अन्य यूजर ने पूछा, "क्या आप कभी पोर्न करेंगी?" इस पर उर्फी ने मजाकिया जवाब देते हुए लिखा, "मैं मोहरा नहीं, किंग हूं।" एक यूजर ने पूछा कि क्या वह अपनी टीम को भुगतान करती हैं, उर्फी जावेद ने पुष्टि की, "बेशक मैं हर किसी को भुगतान करती हूँ; कोई वस्तु विनिमय नहीं है। मैं उन्हें क्रेडिट और उनकी उचित फीस (अगर मैं कर सकती हूँ तो और भी ज्यादा) देती हूँ। मैं कभी भी लोगों से मुफ़्त में काम नहीं करवाती।" उन्होंने मजाकिया अंदाज में यह भी कहा कि यही वजह है कि उनके पास रेंज रोवर नहीं है। एक दिन के लिए प्रधानमंत्री बनने के बाद वह क्या बदलाव करेंगी, इस पर उओरफी का जवाब था, "मैं बलात्कार के लिए फास्ट-ट्रैक कोर्ट लागू करूँगी।"

नरगिस फाखरी शूजीत सरकार के साथ फिर काम करेंगी

अभिनेत्री नरगिस फाखरी ने 'मद्रास कैफे' में जॉन अब्राहम के साथ काम करने को याद करते हुए पुरानी यादें ताजा की और साझा किया कि उन्हें फिल्म के निर्देशक शूजीत सरकार के साथ फिर काम करने की उम्मीद है।

उन्होंने कहा, "जॉन अब्राहम के साथ काम करना बेहद आनंददायक था। वह अविश्वसनीय रूप से सहज हैं और सेट पर बहुत आरामदायक माहौल बनाते हैं। इसके अलावा, वह एक दयालु और दिमाग से तेज व्यक्ति हैं। उनके साथ काम करना सुखद एहसास ही नहीं बल्कि प्रेरणादायक भी है।"

अभिनेत्री ने कहा, "'मद्रास कैफे' का हिस्सा बनना वास्तव में एक शानदार अनुभव था।"

नरगिस ने शूजीत सरकार के बारे में बात की और बताया कि उनके साथ काम करना एक "अद्भुत अनुभव" था।

उनकी असाधारण रचनात्मकता और फोकस ने सेट को इतना जीवंत कर दिया कि ऐसा लगा जैसे हम इसे फिल्माने के बजाय कहानी की वास्तविकता में रह रहे हैं। परियोजना के लिए उनका जुनून हर चीज में साफ दिखती थी। उन्होंने एक प्रामाणिक वातावरण बनाया, इसने मुझे अपने किरदार को पूरी तरह से जीने का मौका दिया।

उन्होंने कहा, "किसी ऐसे व्यक्ति के साथ काम करना एक अविश्वसनीय अनुभव था जो कल्पना और वास्तविकता के बीच की रेखाओं को इतनी सहजता से धुंधला कर सकता था। मैं वास्तव में उनके साथ एक बार फिर काम करने की इच्छा और उम्मीद करती हूं।"

मद्रास कैफे एक राजनीतिक एक्शन थ्रिलर फिल्म है, जिसमें राशि खन्ना भी हैं। यह फिल्म 1980 के दशक के अंत और 1990 के दशक की शुरूआत में, श्रीलंकाई गृहयुद्ध में भारतीय हस्तक्षेप और भारतीय प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या पर आधारित है। "मद्रास कैफे" ने 61वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में सर्वश्रेष्ठ ऑडियोग्राफी के लिए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीता।

नरगिस को आखिरी बार स्क्रीन पर "तटलुबाज" में देखा गया था, जिसमें बुलबुल नाम के एक कुख्यात ठग की कहानी दिखाई गई थी, जो एक समृद्ध और विलासितापूर्ण जीवन जीना चाहता था। उसने खुद को बनारस में टटलूबाजी (फि शिंग) के बीच में पाया।

● डॉ. अशोक चतुर्वेदी, दुबई

चित्रांगदा सिंह ने नवाजुद्दीन संग इंटीमेट होने से किया था इंकार

चित्रांगदा सिंह की कहानी बॉलीवुड में कई किस्से ऐसे हैं जिन्हें सुनकर आपके रोंगटे खड़े हो जाएं। फिल्म इंडस्ट्री में स्कैंडल की कहानी बरसों पुरानी है।

एक ऐसी ही आपबीती सुनने को मिली थी चित्रांगदा सिंह की जुबान से। बी टाउन की ऐसी अदाकारा जिसने अपनी हुस्न से लाखों दिलों को आबाद किया। 30 अगस्त 1976 को जन्मी चित्रांगदा सिंह मॉडलिंग की दुनिया में धमाल मचाने के बाद साल 2003 में आई फिल्म 'हजारों ख्वाहिशें ऐसी' में चित्रांगदा ने अपना बॉलीवुड डेब्यू किया। इसके बाद वह शिरीष कुंदर निर्देशित फिल्म जोकर से बतौर आइटम गर्ल बड़े परदे पर तहलका मचाती हुई नजर आईं. चित्रांगदा अक्सर मीडिया गॉसिप से दूर रहती हैं लेकिन कुछ वक़्त पहले ऐसा हुआ था जब वो चारो तरफ मीडिया में छा गईं थी। डायरेक्टर कुशान नंदी और चित्रांगदा के बीच 'बाबुमोशाय' के सेट पर जो हुआ वो हर कोई जानता है। चित्रांगदा ने उस फिल्म को बीच में ही छोड़ दिया था जिसकी वजह एक सीन थी। 'बाबुमोशाय बंदुकबाज' खबरों के मुताबिक फिल्म 'बाबुमोशाय बंदुकबाज' के एक सीन में नवाजुद्दीन, चित्रांगदा को खींच कर बेड पर लेकर जाते हैं और उन्हें महसूस होता है की उन्हें कोई देख रहा है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **विजयशंकर चतुर्वेदी** द्वारा ए.जी.एस. पब्लिकेशन एफ-23 सेक्टर-6 नोएडा (यू.पी.) से मुद्रित एवं एच-42, लक्ष्मीनगर, दिल्ली-110092 से प्रकाशित
संपादक : **विजयशंकर चतुर्वेदी**, दूरभाष नं. 011-49038655, 011-49073192 मो. 9811063789, 9211152380 (डीएवीपी एवं दिल्ली सरकार से विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त)
प्रकाशन: प्रत्येक सप्ताह रविवार **पोस्टिंग:** प्रत्येक सप्ताह मंगलवार एवं बुधवार E-mail: rashtratimesnewspaper@gmail.com, www.rashtratimes.com rashtratimes